mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-272 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
01 अक्टूबर 2026 गुरूवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

जोधपुर- एक साथ उड़ेंगे दुनिया के सबसे खतरनाक 80-फाइटर जेट

राफेल को सुखोई ने किया लीड

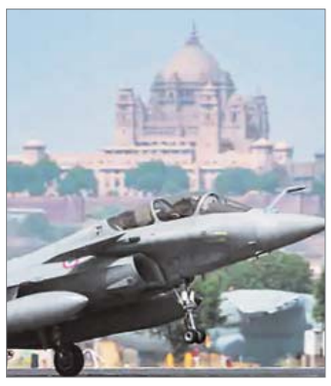

40 हजार फीट पर फ्यूल भरने की प्रैक्टिस

जोधपुर,एजेंसी। जोधपुर में 8 देशों की तरंगशक्ति एक्सरसाइज में दुनिया के सबसे खतरनाक 60 से 80 फाइटर जेट्स एक साथ उड़ान भरेंगे। भारत में मौजूद फ्रांस एंबेसी ने इसकी जानकारी दी।

मंगलवार को एक्सरसाइज के चौथे दिन सुखोई ने राफेल फाइटर को लीड किया। फ्रांस के एयरबस A-400M और एयरबस A-330 मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट (MRTT) ने भी एक्सरसाइज में हिस्सा लिया। वहीं 40 हजार फीट की ऊंचाई पर A-400 ने और फाइटर जेट राफेल में फ्यूल भरने की प्रैक्टिस की। 12 अक्टूबर तक चलने वाले वायुसेना के इस युद्धाभ्यास में अमेरिका के एफ-35 जेट और भारत के तेजस फाइटर जेट के अलावा ट्रांसपोर्ट विमान भी शामिल हैं।

प्रमुख रक्षा संस्थानों में पहुंची विदेशी टीम... प्रतिनिधिमंडल ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) और नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज (NAL) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस, रक्षा और उन्नत तकनीकी क्षमताओं को करीब से समझा।
क्यों अहम है यह दौरा : रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, इस औद्योगिक दौरे का मकसद सिर्फ युद्धाभ्यास तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि मित्र राष्ट्रों के सामने भारतीय हथियारों और रक्षा उपकरणों की क्षमता साबित करना है।

28 देशों के प्रतिनिधिमंडल ने किया भारतीय डिफेंस कंपनियों का दौरा: युद्धाभ्यास तरंग शक्ति 2026 में भाग लेने वाले देशों के पर्यवेक्षकों ने बेंगलुरु में भारत की दिग्गज डिफेंस कंपनियों का दौरा किया और मेक इन इंडिया की ताकत को करीब से जाना।

: ब्रीफ बॉक्स :

चुनाव आयोग का फॉर्म-6 पर बड़ा फैसला

विवाद के बाद ऐलान- नए वोटरों को नहीं देनी होगी अतिरिक्त जानकारी

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 को लेकर बड़ा फैसला लिया है। इलेक्शन कमीशन ने कहा कि फॉर्म 6 के साथ अतिरिक्त डिक्लेरेशन की जरूरत नहीं है। अब नए वोटरों को अतिरिक्त जानकारी नहीं देनी होगी। कांग्रेस ने वोटर लिस्ट के एसआईआर प्रक्रिया में नए वोटरों को जोड़ने के लिए 'फॉर्म 6' से जुड़े बदलावों पर चिंता जताई थी। इस मुद्दे पर बवाल बढ़ने पर चुनाव आयोग ने अहम निर्णय लिया है। अब नए वोटरों को अतिरिक्त जानकारी नहीं देनी होगी।

अतिरिक्त जानकारी देना जरूरी नहीं: चुनाव आयोग : देश में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में फॉर्म-6 को लेकर मचे घमासान को लेकर चुनाव आयोग ने अहम फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि अब उन राज्यों में नए वोटर बनने के लिए फॉर्म-6 के साथ अतिरिक्त घोषणा पत्र यानी Annexure-D देना जरूरी नहीं होगा, जहां SIR पूरा हो चुका है।

दावा-पायलट ने दुबई-तेल अवीव फ्लाइट क्रैश करने की कोशिश की

रियाद,एजेंसी। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में एक पायलट के विमान क्रैश करने की कोशिश करने का दावा सामने आया है।

टाइम्स ऑफ इजराइल के एक पत्रकार के मुताबिक, दूसरे पायलट और कुछ यात्रियों ने हाथापाई कर उसे रोक लिया। इसके बाद विमान से हाईजैक का अलर्ट भेजा गया, जिसके बाद इजराइल ने फाइटर जेट भेजे। विमान ने रास्ता बदलकर सऊदी अरब के ताबुक एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। पायलट के विमान क्रैश करने की कोशिश के दावे की अभी पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, इजराइली अधिकारियों ने विमान में पायलटों के बीच हाथापाई की घटना की पुष्टि की है।

जिनपिंग के बॉडीगार्ड की पहचान उजागर

व्हाइट हाउस की गेस्ट लिस्ट में नाम-पद सामने आया, मोदी-जिनपिंग की बैठक में भी मौजूद थे

बीजिंग,एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कई साल से एक अधिकारी विदेश दौरों और बड़ी बैठकों में नजर आता रहा है। वह कभी शी के पीछे खड़ा दिखा तो कभी उनके साथ मीटिंग में बैठा नजर आया। लेकिन चीन ने कभी सार्वजनिक तौर पर नहीं बताया कि वह कौन है और क्या जिम्मेदारी संभालता है। अब उसकी पहचान सामने आई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने शी जिनपिंग के सम्मान में पिछले हफ्ते अमेरिका में एक खास रात्रिभोज आयोजित किया था। इसमें शामिल चीनी मेहमानों की लिस्ट व्हाइट हाउस ने जारी की। इसी लिस्ट से पहली बार झोउ होंगशू का नाम और उनका पद सामने आया। होंगशू को सेंट्रल गार्ड ब्यूरो का डायरेक्टर बताया गया है।

योगी बोले- संतों ने हिंदू समाज की एकता बनाए रखा

गोरखपुर में गुरु को श्रद्धांजलि दी; जनता दर्शन में 150 लोगों की समस्याएं सुनीं

गोरखपुर,एजेंसी। सीएम योगी गोरखपुर में तीसरे दिन बुधवार को महंत अवेद्यनाथ की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। योगी ने कहा- संतों ने हिंदू समाज की एकता को बनाए रखा है।

उन्होंने कहा- महंत दिग्विजयनाथ जहां हिन्दू समाज की एकता के प्रचंड हिंदुत्व के वेग को आगे बढ़ाने के पक्षधर थे। वहीं महंत अवैद्यनाथ जी महाराज उस प्रचंड वेग को आगे बढ़ाने के लिए बिखरी हुई हिंदू ताकत को फिर से एकजुट करने के लिए सामाजिक समता रूपी माहौल को एकजुट करने के लिए अहर्निश प्रयास किए।

सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

इससे पहले गोरखनाथ मंदिर में विशेष पूजा की... अर्चना की और गाय को गुड़ और रोटी खिलाई। फिर गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम ने 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और समाधान के प्रति आश्वस्त किया। उन्होंने लोगों से कहा- चिंता मत करिए, सरकार हर व्यक्ति की समस्या का समाधान कराएगी।

अमित शाह की रैली में मंच उड़ाने की धमकी

ईमेल में लिखा- मंदिर-बसों में भी धमाके होंगे गृहमंत्री ने जालंधर के मंदिर में माथा टेका

जालंधर,एजेंसी। जालंधर के श्री देवी तालाब मंदिर से रवाना होते हुए गृहमंत्री अमित शाह और रैली में बनाया गया मंच। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की जालंधर में होने वाली रैली में बम की धमकी मिली है। कैंब्रिज स्कूल को भेजे ई-मेल में दावा किया गया कि रैली के स्टेज के नीचे IED रखा गया है। पुलिस के मुताबिक सुबह 7:07 बजे भेजे गए ई-मेल में शहर के स्कूलों, देवी तालाब मंदिर और बसों को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। इसके बाद से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं।

इस बीच गृहमंत्री शाह जालंधर में श्री देवी तालाब मंदिर पहुंचे। यहां माथा टेकने के बाद वह परागपुर में रैली के लिए रवाना हो गए। यहां वह BJP की नशामुक्त पंजाब यात्रा का समापन करेंगे। इसके बाद रैली को संबोधित करेंगे। इस बीच जालंधर पहुंचने से पहले शाह ने आम आदमी पार्टी को घेरा। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर लिखा- पंजाब में AAP सरकार के खराब कामकाज की वजह से ड्रग्स की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। पंजाब के लोग ड्रग्स के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं।

3000 करोड़ की ड्रग्स के साथ 5 पाकिस्तानी गिरफ्तार

● ईरानी नाव से मुंबई जा रहे थे ● लक्षद्वीप के पास कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस ने पकड़ा

मुंबई,एजेंसी। ईरानी नाव में ?3,000 करोड़ की ड्रग्स के साथ 5 पाकिस्तानी नागरिकों को कोस्ट गार्ड और गुजरात ATS ने गिरफ्तार किया है। पांचों आरोपी 526 किलो मेथामफेटामाइन और हेरोइन को समुद्री रास्ते से मुंबई ले जा रहे थे।

सिक्योरिटी फोर्सेस ने यह कार्रवाई लक्षद्वीप के पास 25 सितंबर को की थी। हालांकि, इसकी जानकारी बुधवार को सामने आई। इससे पहले अप्रैल 2025 में भी गुजरात तट के पास, ड्रग्स और भारतीय तटरक्षक बल ने करीब 311 किलो मेथामफेटामाइन जब्त की थी, जिसकी कीमत ?1,800 करोड़ बताई गई। यह खेप पाकिस्तान के पसनी पोर्ट से तमिलनाडु ले जाना था। सुरक्षाबलों को देखकर तस्करों ने ड्रग्स समुद्र में फेंक दी और पाकिस्तान की समुद्री सीमा की ओर भाग गए।

नाव, चालक दल और ड्रग्स को सुरक्षा के बीच मुंबई लाया गया है, जहां पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई होगी। अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्रवाई से समुद्री रास्ते से होने वाली अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

नाव को मुंबई लाया गया... खुफिया सूचना मिलने के बाद तटरक्षक बल ने समुद्र और हवा से निगरानी की। संदिग्ध नाव को लक्षद्वीप के पश्चिम में रोककर तलाशी ली गई।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर कमांडर हाशिम मूसा ढेर, जंगल में छिपा

एनकाउंटर में मारा गया; सेना ने सितंबर में 5 आतंकी मार गिराए

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में सुरक्षाबलों ने मंगलवार देर रात लश्कर-ए-तैयबा के एक टॉप कमांडर हाशिम मूसा को मार गिराया। मुठभेड़ यूसमर्ग के कोराग इलाके में हुई। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और CRPF को यहां आतंकियों की मौजूदगी का इनपुट मिला था, जिसके बाद जॉइंट सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी के दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी थी।

सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक मारे गए आतंकी की पहचान मूसा के तौर पर हुई है। अलग-अलग रिपोर्टों में उसका नाम सुलेमान शाह उर्फ मूसा, फौजी मूसा और मोहम्मद आसिफ उर्फ हाशिम मूसा बताया गया है। इंडियन आर्मी ने इस एनकाउंटर को ऑपरेशन कोराग नाम दिया। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। सेना को यहां और भी आतंकी छिपे होने की जानकारी मिली है।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर और बडगाम जिले में 1 से 30 सितंबर के बीच 5 आतंकी मारे गए। 5 सितंबर को बडगाम में यासिर को मार गिराया गया। 17 सितंबर को उधमपुर में दो पाकिस्तानी आतंकियों सद्दाम और मुस्तफा को ढेर किया गया। एक आतंकी का सड़ा हुआ शव इसी महीने मिला था।

जुनैद रमजान को दिसंबर 2024 में ही मार दिया था। उसके मोबाइल से सुरक्षाबलों को इन चारों की एक तस्वीर मिली, जिससे एजेंसियों को ग्रुप और उसके नेटवर्क की अहम जानकारी मिली। इसके बाद ताल्हा को अप्रैल 2025 में ढेर कर दिया गया। 5 सितंबर के ऑपरेशन में यासिर मारा गया था और मूसा बच निकला था।

4 साल से एक्टिव लश्कर के 4 आतंकियों का ग्रुप खत्म... आतंकी हाशिम मूसा पाकिस्तानी नागरिक बताया गया है। सुरक्षा एजेंसी सूत्रों के मुताबिक, वह पाकिस्तान आर्मी के स्स्त्र का पूर्व पैरा-कमांडो था। 2022 में घुसपैठ के जरिए कश्मीर घाटी में दाखिल हुआ था। सुरक्षा एजेंसियों की नजर 2022 से जम्मू-कश्मीर में एक्टिव लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के 4 आतंकियों के ग्रुप पर थी। इसमें जुनैद रमजान अहमद, अबू ताल्हा, यासिर और हाशिम मूसा शामिल थे।

इंडी गठबंधन की बैठक में एसआईआर, ईवीएम और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने पर सहमति

नई दिल्ली,एजेंसी। विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन ने चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का फैसला किया है। गठबंधन के घटक दल 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में मार्च निकालेंगे। 06 अक्टूबर को विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। गठबंधन ने ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग भी की।यहां बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडी गठबंधन की आठवीं बैठक करीब तीन घंटे तक चली। बैठक में एसआईआर, ईवीएम-वीवीपैट, मतदाता सूची और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), राष्ट्रीय जनता दल, माकपा, भाकपा, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, भाकपा (माले), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (एम), एमडीएमके, वीसीके, आरएसपी, केरल कांग्रेस (जे) और अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक सहित 20 विपक्षी राजनीतिक दल शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकार वार्ता में कहा कि गठबंधन के सभी दल इन मुद्दों पर मिलकर लड़ाई लड़ेंगे।

2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में आंदोलन

यूनेस्को वर्ल्ड-हेरिटेज टेंटेटिव लिस्ट में भारत की 5 नई साइट

इनमें म.प्र. की उदयगिरि गुफाएं, गिन्नौरगढ़, बटेश्वर मंदिर, अबतक देश की 78 साइट दर्ज

नई दिल्ली,एजेंसी। यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज टेंटेटिव लिस्ट में भारत की पांच नई साइटें जोड़ी गई हैं। इनमें मध्य प्रदेश के विदिशा, धार, मुरैना और रायसेन जिले की चार साइट हैं। वहीं पांचवीं एंट्री भारत और दक्षिण अफ्रीका से जुड़ी 'साइट्स ऑफ सत्याग्रह' है।

विदिशा जिले की उदयगिरि गुफाओं, धार जिले में स्थित बाघ गुफा चित्रकारी, मुरैना जिले में चंबल घाटी के मंदिर समूह और रायसेन के गिन्नौरगढ़ किले को शामिल किया गया है। इसके बाद UNESCO टेंटेटिव लिस्ट में अब भारत की 78 साइट हो गई हैं।

किसी जगह को पहले UNESCO की टेंटेटिव लिस्ट में शामिल किया जाता है। इसके बाद ही उसे वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा देने पर विचार होता है। इसलिए इन पांचों साइटों को अभी UNESCO की वर्ल्ड हेरिटेज साइट का अंतिम दर्जा नहीं मिला है।

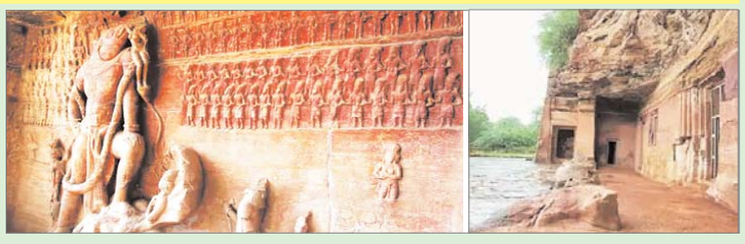

5वीं साइट- 'साइट्स ऑफ सत्याग्रह': पांचवीं एंट्री 'साइट्स ऑफ सत्याग्रह' है। यह भारत और दक्षिण अफ्रीका के 9 ऐतिहासिक स्थलों का समूह है। इसका उद्देश्य महात्मा गांधी के सत्याग्रह के विकास और उसकी यात्रा को दिखाना है। सत्याग्रह की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका में हुई और बाद में भारत में यह बड़े अहिंसक आंदोलनों का आधार बना। इन 9 स्थलों में दक्षिण अफ्रीका के पीटरमैरिट्जबर्ग स्टेशन और फीनिक्स सेटलमेंट तथा भारत के चंपारण, साबरमती आश्रम, मणि भवन, हरिजन सेवक संघ, सेवाग्राम आश्रम, आगा खान पैलेस और गांधी स्मृति शामिल हैं। इन जगहों से गांधीजी के सत्याग्रह की शुरुआत, प्रयोग और विकास की कहानी जुड़ी है।

भाजपा संसदीय बोर्ड में आधे सदस्य बदले जा सकते हैं

येदियुरप्पा और जटिया को हटाया जा सकता है, दोनों की उम्र 80 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा में पार्टी पदाधिकारियों, राज्य प्रभारियों और संगठन मंत्रियों की नियुक्ति के बाद अब संसदीय बोर्ड, केंद्रीय चुनाव समिति और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा होनी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी से जुड़े निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था संसदीय बोर्ड के गठन की प्रारंभिक कवायद शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसकी घोषणा पितृ पक्ष के बाद अक्टूबर में कर दी जाएगी। बताया जा रहा है कि 12 सदस्यीय संसदीय बोर्ड में आधे सदस्यों को बदला जा सकता है।

बीएस येदियुरप्पा और डॉ. सत्यनारायण जटिया को हटाया जा सकता है। इन्हीं जाति, वर्ग और क्षेत्रीय समीकरणों में फिट नेताओं को जगह दी जा सकती है। येदियुरप्पा और जटिया को बोर्ड से हटाने के पीछे उनकी अधिक उम्र होने की दलील दी जा रही है।

एक महामंत्री और महिला नेता को संसदीय बोर्ड में मिल सकती है जगह... एक महामंत्री को भी स्थान दिए जाने पर विचार किया जा सकता है। पार्टी में विनोद तावड़े और सुनील बंसल सबसे वरिष्ठ महामंत्री या किसी अन्य महामंत्री को लिया जा सकता है। वहीं, लंबे समय बाद संसदीय बोर्ड में मुख्यमंत्री को भी सर्वोच्च संस्था में स्थान दिया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अजमेर में इजरायली महिला से छेड़छाड़, वीडियो वायरल होने के बाद चार आरोपितों को दबोचा

अजमेर, एजेंसी। इजरायली महिला पर्यटक से अभद्रता के बहुप्रसारित वीडियो पर अजमेर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। महिला पर्यटक जब किशनगढ़ डंपिंग यार्ड में वीडियो बना रही थी, तब कुछ युवकों ने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और अश्लील टिप्पणियां कीं। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित होने के बाद अजमेर पुलिस ने स्वतः संज्ञान लिया और मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, बहुप्रसारित वीडियो में कुछ युवक विदेशी महिला पर्यटक के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते और आपत्तिजनक टिप्पणियां करते दिखाई दे रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद गांधीनगर थाना पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई और घटना में शामिल युवकों की पहचान के लिए तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण शुरू किया। एसपी अजमेर हर्षवर्धन अग्रवाल के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में मोहम्मद फुरखान, मोहम्मद अनीस, फरहान और अख्तर अली शामिल है। सभी किशनगढ़ क्षेत्र के निवासी हैं। पकड़े गए आरोपितों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

रायपुर में इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा सीजीपीएससी भर्ती घोटाले का आरोपित खाता दिखा लड्डू

जेल प्रहरी बर्खास्त

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती घोटाले में जेल में बंद आयोग के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी को आंबेडकर अस्पताल में वीआईपी सुविधा दिए जाने का मामला सामने आया है। अस्पताल के कर्डियोलाजी विभाग का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इसमें सोनवानी अपनी पत्नी और बेटे के साथ बैठे बातचीत करते और लड्डू खाते दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद जेल अधीक्षक ने एक जेल प्रहरी को सेवा से बर्खास्त कर दिया है, जबकि दो की बर्खास्तगी के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखा है। सोनवानी को बीते माह पेसमेकर लगाया गया था। इसके फालोअप के लिए आरोपित को अस्पताल लाया गया था। आरोप है कि उनके अस्पताल पहुंचने की जानकारी पहले ही स्वजन को दे दी गई थी। उन्हें ओपीडी गेट से प्रवेश कराने के बाद कार्डियोलाजी विभाग के बरामदे में बैठाया गया। करीब 10 मिनट बाद उनकी पत्नी और बेटा वहां पहुंचे। दोनों ने करीब 15 मिनट तक सोनवानी से बातचीत की। इसी दौरान एक रेजीडेंट डॉक्टर ने बाहर आकर उनकी फाइल देखी। अस्पताल में सोनवानी के कहने पर आरक्षक ने हथकड़ी खोल दी। पत्नी ने लड्डू निकाले और तीनों ने साथ बैठकर लड्डू खाए। इस दौरान पत्नी फोन पर बातचीत करती रहीं, जबकि सोनवानी बेटे से मामले को लेकर चर्चा करते दिखाई दिए।

यूट्यूबर के घर करोड़ों की चोरी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर 'दिखावा' पड़ा भारी

नागरकोइल, एजेंसी। तमिलनाडु में यूट्यूबर के घर हुई एक करोड़ की चोरी के मुख्य आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर कीमती सामान का बड़ा हिस्सा बरामद कर लिया। यूट्यूबर अक्सर रील्स और वीडियो अपलोड करती थी, जिनमें रुपये की गड्डियां, हर महीने खरीदी गई सोने की चीजें और अपने परिवार के घूमने-फिरने की जगहों और आउटिंग की लाइव अपडेट दिखाती थी। जांचकर्ताओं को शक है कि इन ऑनलाइन पोस्ट की वजह से घर आसानी से निशाना बन गया होगा, क्योंकि इनसे घर में मौजूद संपत्ति और घर के खाली रहने के सही समय का पता चल गया होगा।

नाश्ते के बाद करेगी चेक-आउट कहकर फरार हुआ प्रेमी, होटल में पड़ी मिली बैंककर्मी की लाश

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां के एक होटल के कमरे में 34 वर्षीय बैंककर्मी महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया है और मृतिका के साथ ठहरे मुख्य आरोपी की तलाश तेज कर दी है। जुबली हिल्स के डीसीपी ए. रमना रेड्डी ने बताया कि मृत महिला की पहचान बी सिरिशा के रूप में हुई है, जो विकाराबाद जिले के नगासमुद्रम की रहने वाली थीं और बैंक में कस्टमर-केयर एक्जीक्यूटिव के रूप में काम करती थीं। सिरिशा ने 24 सितंबर को ए. श्रीनिवास नामक व्यक्ति के साथ एसआर नगर स्थित गोकुल प्राइड होटल में चेक-इन किया था।

फर्जी नामों से ली थी होटल में एंट्री: पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों ने होटल में कमरा लेते समय फर्जी नाम

और पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल किया था। होटल रिकॉर्ड के मुताबिक, श्रीनिवास ने अपना नाम 'गणेश' और सिरिशा का नाम 'दुर्गा' दर्ज कराया था। दोनों होटल के कमरा नंबर 10 में ठहरे हुए थे।

कैसे हुआ मामले का खुलासा: मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार तड़के करीब 3:30 बजे श्रीनिवास ने रिसेप्शन पर यह कहकर होटल छोड़ा कि सिरिशा सुबह नाश्ता करेंगी और उसके बाद चेक-आउट करेंगी। ऐसे में जब काफी देर तक कमरे से कोई जवाब नहीं आया और बार-बार फोन करने पर भी दरवाजा नहीं खुला, तो होटल स्टाफ को शक हुआ। इसके बाद स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मौजूदगी में जब मास्टर चाबी से कमरा खोला गया, तो बेड पर सिरिशा का शव मिला।

पुलिस हत्या का दर्ज किया मामला: दूसरी ओर, डीसीपी रमना रेड्डी ने बताया कि हमें शक है कि रात में सिरिशा और श्रीनिवास के बीच किसी बात पर तीखी बहस हुई होगी, जिसके बाद उसने किसी भारी या नुकीली चीज से सिरिशा पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसी बात के मद्देनजर, फिलहाल एसआर नगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की गहन छानबीन जारी है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को मृतिका के शरीर पर कई चोट के निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि हत्या के लिए पर्दे की रॉड का इस्तेमाल किया गया हो, हालांकि मौत के असली कारणों का खुलासा अंतिम पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

जांच में जुटी पुलिस: गौरतलब है कि पुलिस की 'क्लूज टीम' ने मौके पर पहुंचकर फिंगरप्रिंट और अन्य फोरेंसिक सबूत जुटाए हैं। होटल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी के आने-जाने के समय और पूरी घटनाक्रम को समझा जा सके। आरोपी श्रीनिवास को पकड़ने के लिए पुलिस की विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस दस्तावेजों में नाम (दुर्गा) और अस्पताल के रिकॉर्ड (सिरिशा) में सामने आई भिन्नता की भी जांच कर रही है। इसके अलावा, पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या मृतिका का अपने पति द्वारा पहले कथित तौर पर किए गए हमले और इस घटना से कोई पुराना कनेक्शन है या नहीं।

दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला: स्त्रीधन वसूली के लिए हिरासत में पूछताछ अनावश्यक, 80 वर्षीय ससुर को अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपित 80 वर्षीय आरोपित ससुर को अग्रिम जमानत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि सिर्फ स्त्रीधन (महिला की निजी संपत्ति) की रिकवरी के लिए हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है, क्योंकि ऐसी रिकवरी जमानत देने वाली अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। साथ ही न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने जांच अधिकारी के उस दावे पर भी सवाल उठाया कि एक बुजुर्ग आरोपी जांच में शामिल नहीं हुआ था। अदलात ने रिकार्ड पर लिया कि नोटिस जबानी तौर पर दिए गए थे और कोई केस डायरी पेश नहीं की गई थी।

80 साल के ससुर को अग्रिम जमानत: पीठ ने उक्त टिप्पणी लगभग 80 साल के ससुर को अग्रिम जमानत देते हुए की। यह मामला वैवाहिक विवाद से जुड़ा है और इसमें

भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने स्त्रीधन की रिकवरी के लिए कोई उचित कानूनी कार्रवाई शुरू नहीं की थी। प्राथमिकी शुरू में शिकायतकर्ता ने अपने ससुर के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। अदालत ने रिकार्ड पर लिया कि जांच अधिकारी ने शुरू में कहा था कि बार-बार नोटिस देने के बावजूद आरोपित जांच में शामिल नहीं हुआ। हालांकि, जब नोटिस दिखाने के लिए कहा गया, तो अधिकारी ने कहा कि वे जबानी तौर पर दिए गए थे। कोर्ट ने आगे कहा कि नोटिस से जुड़ी कोई केस डायरी पेश नहीं की गई और जांच अधिकारी की कार्रवाई भरोसे के लायक नहीं लगी। हिरासत में पूछताछ के मुद्दे पर, कोर्ट ने गौर किया कि इसका एकमात्र मकसद शिकायतकर्ता के स्त्रीधन की रिकवरी बताया गया था।

पीठ ने कहा कि इस मकसद के लिए हिरासत में पूछताछ बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। कोर्ट ने आगे कहा कि स्त्रीधन न लौटाने का मामला उसकी रिकवरी के लिए जमानत देने वाली अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। प्राथमिकी के अनुसर शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि आरोपित ने कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। हालांकि, आरोपित ने तर्क दिया कि उसके बेटे (जो शिकायतकर्ता का पति है) पर उनके वैवाहिक विवाद के सिलसिले में दबाव बनाने के लिए आरोप लगाए गए थे। अभियोजन पक्ष ने अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि हिरासत में पूछताछ अधिक असरदार होती है और जांच अभी शुरुआती चरण में है। हालांकि, पीठ ने रिकार्ड पर लिया कि यौन अपराध मई 2022 या उससे पहले हुए बताए गए, जबकि प्राथमिकी 29 अप्रैल 2026 को हुई थी।

अमेरिकी सैन्य अड्डे के पास पांच गिरफ्तार, फिर जमानत पर रिहा

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड में अमेरिकी वायुसेना के एक अड्डे पर संदिग्ध बम साजिश की जांच जारी है। इस मामले में ब्रिटेन की आतंकवाद रोधी पुलिस ने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया और फिर उन्हें रिहा कर दिया। यह फैसला अचानक लिया गया। इसके बाद घटना को लेकर सवाल और अनिश्चितता बढ़ गई है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इस पर हैरानी जताई। पांचों युवा ब्रिटिश पुरुष हैं। उन्हें रविवार को आरएएफ फेयरफोर्ड अड्डे के पास गिरफ्तार किया गया था। उन पर विस्फोटक और आतंकवाद से जुड़े आरोप हैं। लेकिन एक दिन बाद उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया।ट्रंप ने कहा, 'मैं ऐसा नहीं करता'। आरएएफ फेयरफोर्ड का इस्तेमाल अमेरिकी बमवर्षक विमानों ने दशकों से किया है। इन विमानों का इस्तेमाल पश्चिम एशिया के कई संघर्षों में हुआ है। इसमें इस साल ईरान के साथ हुआ युद्ध भी शामिल है।आतंकवाद रोधी जांचकर्ता मामले में 'कई पहलुओं' की जांच कर रहे हैं। इनमें यह भी शामिल है कि क्या संदिग्धों का ईरान से कोई संबंध था। ईरान ने इस मामले में किसी भी तरह की भूमिका से इनकार किया है। ब्रिटेन की आतंकवादी रोधी पुलिस के प्रमुख लॉरेंस टेलर ने अहम जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पांचों संदिग्ध ब्रिटिश नागरिक हैं। सभी की उम्र 20 साल के आसपास है। उन्होंने कहा कि पांचों पर कड़ी शर्तें लागू हैं।

वे पूरी तरह जांच के दायरे में हैं। टेलर ने मंगलवार को पुष्टि की कि तीन वैन की जांच की गई। ये वैन अड्डे के पास मिली थीं। इनमें कोई विस्फोटक नहीं मिला।टेलर ने कहा कि जमानत पर छोड़े गए संदिग्धों को 'बहुत सख्त शर्तों' का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला कुछ लोगों के लिए हैरान करने वाला हो सकता है। लेकिन यह जांच से जुड़ा फैसला है। यह अनुभव और रणनीति पर आधारित है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने क्या कहा: अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी मामले पर बात की। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि इसमें 'स्पष्ट रूप से किसी विदेशी पक्ष का हाथ है'। हालांकि, उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया। उन्होंने मामले से जुड़ी और जानकारी भी नहीं दी। रुबियो ने कहा कि कुछ लोग इस बात से परेशान हैं। वजह यह है कि जांच के दौरान कुछ संदिग्धों को जमानत पर छोड़ दिया गया।

संदिग्ध वैन में नहीं मिला कोई विस्फोटक: मंगलवार को भी आरएएफ फेयरफोर्ड के पास पुलिस की घेराबंदी जारी रही। तीन वैन के आसपास सुरक्षा घेरे लगाए गए थे। हथियारबंद पुलिसकर्मी और आतंकवाद रोधी अधिकारी मौके पर जांच कर रहे थे। एक स्थानीय महिला किसान ने पुलिस को फोन किया था। उसने रविवार सुबह पुलिस को सूचना दी। उसने बताया कि घर लौटते समय उसने वैन देखीं। ये वैन हवाई अड्डे के पास सड़क को बाधित रही थीं। महिला ने पास में कुछ लोगों को भी देखा था।

एआई की मनमानी पर लगेगा ब्रेक: ट्रंप के साथ टेक दिग्गजों ने किया मंथन

● कितने स्तर पर होगी सुरक्षा निगरानी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के मुख्य अधिकारियों ने मंगलवार को एक संयुक्त समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, वे अत्याधुनिक कंप्यूटिंग मॉडल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चार स्तरों वाले कंट्रोल और ऑडिट का एक व्यापक ढांचा लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही भविष्य में इसे कानून का रूप देने की संभावना भी खुली रखी गई है। वहीं, इस पर ट्रंप ने कहा,'मुझे लगता है कि मैं जबरदस्त सेल्फ-पुलिसिंग (खुद पर नजर रखने की प्रक्रिया) देख रहा हूं। और वे समझते हैं कि उन्हें खुद पर नजर रखनी होगी।'

यह समिट क्यों बुलाई गई थी: 'फ्रंटियर जिम्मेदारियों पर संयुक्त प्रतिबद्धता' नाम का यह दस्तावेज व्हाइट हाउस में हुई एक हाई-लेवल समिट के बाद जारी किया गया। यह समिट प्रशासन की ओर से औपचारिक रूप से सुपर इंटेलिजेंस नाम दिए गए विषय पर बुलाई गई थी। यह समिट टेक कंपनियों के प्रमुखों के उन सुझावों के बाद हुई जिनमें उन्होंने फ्रंटियर एआई के विकास की गति धीमी करने या नियंत्रण खोने के जोखिम की बात कही थी।

समझौते में कौन-कौन शामिल है: इस समझौते पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ प्रमुख टेक डेवलपर्स के प्रमुखों के भी निजी हस्ताक्षर हैं। इसमें गूगल के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, ओपनएआई के ग्रेग ब्रॉकमैन, एक्सएआई के एलन मस्क और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग।

संयुक्त घोषणा मे क्या कहा गया है: संयुक्त घोषणा में कहा गया है, 'अमेरिकी लोगों और दुनिया के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए हमारा मानना है कि हर कंपनी की यह जिम्मेदारी है कि वह अपनी टेक्नोलॉजी को सुरक्षित तरीके से विकसित करे।

ट्रंप ने बदल दिया एआई का नाम, अब सुपर इंटेलिजेंस कहेगी सरकार, आदेश लागू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर बड़ा फैसला लिया है। ट्रंप ने एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अमेरिकी सरकार के कामकाज में अब एआई की जगह सुपर इंटेलिजेंसऔर शब्दों का इस्तेमाल किया जाएगा। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि मौजूदा तकनीक की क्षमताएं उस पुराने विचार से कहीं आगे निकल चुकी हैं, जिसे करीब 70 साल पहले 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' कहा गया था।

सरकारी कामकाज में अब एआई नहीं, 'सुपर इंटेलिजेंस': ट्रंप के आदेश का शीर्षक 'सुपर इंटेलिजेंस के युग की शुरुआत' है। इसके तहत अमेरिकी केंद्र सरकार के विभागों और एजेंसियों को आधिकारिक पत्राचार, सार्वजनिक संचार, वेबसाइट, रिपोर्ट और प्रशासनिक नीति दस्तावेजों में 'सुपर इंटेलिजेंस' और एआई शब्दों का इस्तेमाल करना होगा। आदेश में कहा गया है कि यह बदलाव कानून की अनुमति की अधिकतम सीमा तक लागू किया जाएगा। संबंधित आधिकारिक जगहों पर सरकार 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और एआई के इस्तेमाल को मान्यता नहीं देगी। हालांकि, यह बदलाव पहले से मौजूद रिकॉर्ड पर लागू नहीं होगा। पुराने नियम, सरकारी कॉन्ट्रैक्ट, ग्रांट और ऐतिहासिक अभिलेख इस आदेश के कारण नहीं बदले जाएंगे।

क्यों बदला गया एआई का नाम: अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि आज के अत्याधुनिक एआई सिस्टम की क्षमताएं केवल इंसानी बुद्धिमत्ता के कुछ हिस्सों की नकल करने या उन्हें स्वचालित करने तक सीमित नहीं हैं।आदेश में कहा गया है कि ये सिस्टम तेजी से इंसानी रचनात्मकता और क्षमता को बढ़ा रहे हैं और विज्ञान, चिकित्सा तथा मानव प्रयास के लगभग हर क्षेत्र में ऐसे कामों को संभव बना रहे हैं, जिन्हें पहले असंभव माना जाता था।इसी वजह से ट्रंप प्रशासन का मानना है कि सरकार की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली शब्दावली भी तकनीक की इन बढ़ी हुई क्षमताओं को प्रतिबिंबित करनी चाहिए।

अभी कानून में एआई की मौजूदा परिभाषा ही लागू: फिलहाल 'सुपर इंटेलिजेंस' के लिए अमेरिका के यूएस कोड के टाइटल 15 में दी गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मौजूदा वैधानिक परिभाषा ही लागू होगी।

बेबी फूड पैकेटों पर नहीं दिखेगी मां-बच्चे की फोटो, महाराष्ट्र एफडीए कमिश्नर तुकाराम मुंडे का आदेश

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने पिछले कुछ महीनों में साफ-सफाई और खाने-पीने की चीजों में गड़बड़ी को लेकर सख्ती की है। अब महाराष्ट्र में कमिश्नर तुकाराम मुंडे की टीम ने बेबी फूड प्रोडक्ट बेचने वाले ब्रांड्स के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। तुकाराम मुंडे ने पैकेट पर मां और बच्चे की फोटो लगाने पर रोक लगा दी है। एफडीए ने यह दावा करने पर भी रोक लगा दी है कि मिल्क प्रोडक्ट मां के दूध जितना ही अच्छा है।

'मां का दूध ही सबसे अच्छा': एडमिनिस्ट्रेशन ने बेबी फूड ब्रांड्स पर सख्ती की है। एफडीए ने नियम कड़े कर दिए हैं और यह पक्का किया है कि इस बात का

प्रचार हो कि बच्चों के लिए मां का दूध सबसे अच्छा होता है। एफडीए ने बेबी फूड बनाने वाली कंपनियों को आदेश दिया है कि वे अपने सभी पैकेट पर 'माँ का दूध सबसे अच्छा है' का मैसेज लिखें। तुकाराम मुंडे के इस आदेश का मतलब फॉर्मूला मिल्क पर रोक लगाना नहीं है। फॉर्मूला प्रोडक्ट्स की इजाजत होगी, लेकिन बनाने वालों को गाइडलाइंस का पालन करना होगा। एफडीए का यह आदेश सभी बेबी फूड प्रोडक्ट्स पर लागू होता है, जिसमें दो साल से कम उम्र के बच्चों के लिए अनाज और सप्लीमेंट्री फूड शामिल हैं। उन्होंने प्रमोशन पर भी रोक लगा दी है और कहा है कि अब कोई फ्री सैंपल या डिस्काउंट कूपन नहीं दिए जा सकेंगे। तुकाराम मुंडे ने साफ तौर पर कहा कि पैकेजिंग पर यह साफ लिखा होना चाहिए कि प्रोडक्ट छह महीने से ज्यादा उम्र के बच्चों को सिर्फ सप्लीमेंट्री फूड के तौर पर और डॉक्टर की सलाह पर ही दिया जाना चाहिए।

नियमों के पालन में गड़बड़ी

तुकाराम मुंडे ने इस कदम के बारे में बताते हुए कहा, ने सर्वे में नियमों के पालन से जुड़ी कई कमियां पाईं। मां के दूध के महत्व को बताने वाले मैसेज का न होना एक बड़ी गड़बड़ी है।' मुंडे ने कहा, 'ये कदम मां के दूध को बढ़ावा देने और यह पक्का करने के लिए उठाए जा रहे हैं कि बच्चों को सही पोषण मिले। शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में मां का दूध पिलाने की दरें चौंकाने वाली हैं, जिसका सीधा असर बच्चों की सेहत पर पड़ रहा है और इससे हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी समस्याएं कम उम्र में ही हो रही हैं।' तुकाराम मुंडे ने डेटा का हवाला देते हुए बताया, 'महाराष्ट्र में जन्म के एक घंटे से लेकर 6 महीने तक मां का दूध पिलाने की दर शहरी इलाकों में 52.8 प्रतिशत और ग्रामीण इलाकों में 75.2 प्रतिशत थी।' मुंडे ने सर्वे के डेटा का जिक्र करते हुए कहा, '10-12 साल की उम्र के 25 प्रतिशत बच्चों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या थी।

संयुक्त राष्ट्र पर ईरान का तंज: फिल्म शोले के ठाकुर की 'डॉक्टर स्ट्रेंज' से की तुलना, जानें क्यों बरसा तेहरान

तेहरान, एजेंसी। भारत में ईरानी दूतावास ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) पर तंज कसने के लिए बॉलीवुड की मशहूर फिल्म 'शोले' का सहारा लिया है। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक मीम शेयर किया, जिसमें एक तरफ मार्वल के सुपरहीरो डॉक्टर स्ट्रेंज और दूसरी तरफ फिल्म 'शोले' के ठाकुर बलदेव सिंह को दिखाया गया है। इस मीम के जरिए ईरान ने यूएन की वास्तविक भूमिका और उसकी छवि के बीच अंतर को लेकर व्यंग्य किया।

डॉक्टर स्ट्रेंज और ठाकुर की तस्वीर क्यों लगाई:ईरानी दूतावास की पोस्ट में पहली तस्वीर डॉक्टर स्ट्रेंज की है, जिसमें उनके कई हाथ नजर आते हैं। इसके साथ लिखा गया है- 'यूएन अकॉर्डिंग टू स्कूल बुक्स', यानी स्कूली किताबों के अनुसार यूएन। दूसरी तस्वीर 1975 में आई फिल्म 'शोले' के ठाकुर बलदेव सिंह की है। इस किरदार को अभिनेता संजीव कुमार ने निभाया था। फिल्म में ठाकुर अपने दोनों हाथ गंवा देते हैं। इस तस्वीर के साथ लिखा गया- 'यूएन एन रियलिटी' यानी वास्तविकता में संयुक्त राष्ट्र। मीम में डॉक्टर स्ट्रेंज के कई हाथ संयुक्त राष्ट्र को कई मोर्चों पर कार्रवाई करने में सक्षम संस्था के तौर पर दिखाते हैं। वहीं ठाकुर की तस्वीर का इस्तेमाल संगठन की कथित सीमित कार्रवाई क्षमता का प्रतीक बनाने के लिए किया गया है। हालांकि, ईरानी दूतावास ने पोस्ट में किसी विशेष संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव या घटना का नाम नहीं लिया।

युद्ध और वैश्विक संकटों के बीच आया मीम:ईरान का यह पोस्ट ऐसे समय आया है जब अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को लेकर बहस जारी है। अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान यूएन की ओर से तनाव कम करने और बातचीत की अपील की गई थी, लेकिन संघर्ष और टकराव जारी रहा।

सेवा संकल्प अभियान में गूंजा सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश

नमो सेवा की अनकही कहानियां पर इन्द्रवती नाट्य समिति के कलाकारों ने दी प्रभावी नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को सीधी जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नमो सेवा की अनकही कहानियां विषय पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया मध्यप्रदेश संस्कृति संचालनालय एवं जिला प्रशासन सीधी के संयुक्त आयोजन में इन्द्रवती नाट्य समिति सीधी के कलाकारों ने प्रभावी अभिनय और संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों एवं आमजन को सेवा भावना, सामाजिक सहभागिता, जनहित और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका का संदेश दिया अभियान के तहत सांदीपनि विद्यालय सीधी, उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1, उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-2 तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए कलाकारों ने सशक्त अभिनय, संवाद और सामूहिक प्रस्तुति के जरिए समाज में सेवा, सहयोग, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व को रेखांकित किया नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने बताया कि समाज और राष्ट्र के विकास में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है उन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने और जनहित से जुड़े कार्यों में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से सेवा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों को सरल एवं प्रभावी तरीके से विद्यार्थियों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने विभिन्न प्रसंगों और संवादों के माध्यम से यह संदेश दिया कि समाज में सकारात्मक बदलाव केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि नागरिकों की सहभागिता और जिम्मेदारी से भी संभव है। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुतियों को देखा और कलाकारों के संदेश को सराहा। कार्यक्रमों में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, जनपद अध्यक्ष सीधी धर्मेंद्र सिंह परिहार, देव कुमार सिंह चौहान, जगदम्बा सोनी, पूनम सोनी, लाल चंद गुप्ता, पंकज पाण्डेय, कंचन केशरी सहित गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे कार्यक्रम का संयोजन बीआरसीसी डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय ने किया। इन्द्रवती नाट्य समिति के कलाकार प्रजीत कुमार साकेत, देवेंद्र तिवारी, स्वागत पटेल, वतन द्विवेदी, अवनी मिश्रा, शिवम द्विवेदी, सजल मिश्रा, शुभ परिहार, पिहू पाण्डेय एवं प्रियांशु मिश्रा ने अभिनय और सामूहिक प्रस्तुति दी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए सेवा संकल्प अभियान के संदेश को विद्यार्थियों और आमजन तक पहुंचाया आयोजन में सांस्कृतिक चेतना के साथ सामाजिक जागरूकता और नागरिक जिम्मेदारी का संदेश प्रमुखता से सामने आया।

बाढ़ प्रभावित किसानों के मुआवजे और धान पंजीयन की तकनीकी समस्या दूर करने की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश किसान सभा ने जिले के बाढ़ और अतिवृष्टि प्रभावित किसानों को मुआवजा देने तथा धान खरीदी के पंजीयन में आ रही तकनीकी परेशानियों को दूर करने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा किसान सभा ने अरहर, मूंग और उड़द की खराब फसलों का सर्वे कर राहत राशि देने की मांग की है ज्ञापन में कहा गया कि अगस्त में आई बाढ़ और अतिवृष्टि से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है इसके अलावा कई परिवारों के घर-गृहस्थी और घरेलू सामान भी प्रभावित हुए हैं संगठन का आरोप है कि शासन की ओर से राहत देने की घोषणा के बावजूद अधिकांश प्रभावित क्षेत्रों में अब तक राहत राशि वितरित नहीं की गई है कुछ स्थानों को छोड़कर नुकसान का सर्वे भी पूरा नहीं हुआ है। किसान सभा ने अतिवृष्टि से खराब हुई धान की फसल का मुआवजा देने की मांग की साथ ही धान खरीदी के लिए बनाए गए ऑनलाइन पोर्टल का सर्वर धीमा होने से किसानों को पंजीयन में आ रही परेशानी को तत्काल दूर करने की मांग की गई किसानों के धान के रकबे को ऑनलाइन पोर्टल में दर्ज करने और बटाईदार किसानों के लिए अलग से खरीदी का प्रावधान करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा और राहत नहीं दी गई तो किसानों को संगठित कर आंदोलन तेज किया जाएगा ज्ञापन के दौरान प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रामजीत सिंह, राज्य सचिव शिवराम सिंह, जिला सचिव रामनरेश सिंह सहित रोहित तिवारी, अमित सोहगौरा, संजय निगम, तेजभान सिंह, भेले सिंह, पुष्पेंद्र सिंह और अभयराज सिंह मौजूद रहे।

सीधी में कांग्रेस ने CEC का पुतला फूंका, इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, कलेक्ट्रेट परिसर में किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (SIR) और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने सीधी कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग करते हुए उनका पुतला फूंका इस दौरान चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार और भाजपा के दबाव में काम कर रहा है उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र के कथित दुरुपयोग से लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बन रही है इसी को लेकर कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर भी आपत्ति जताई उनका कहना है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया में पर्याप्त पारदर्शिता होनी चाहिए कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सूची में बदलाव के कारण पात्र मतदाताओं के नाम प्रभावित होने की आशंका है पार्टी ने मतदाता सूची में किए गए बदलावों की जानकारी सार्वजनिक करने तथा जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं उन्हें अपील का अवसर देने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार है इसलिए इसमें किसी भी तरह के संशोधन की प्रक्रिया स्पष्ट और पारदर्शी होनी चाहिए वहीं चुनाव आयोग की ओर से उसकी प्रक्रियाओं को कानून और निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित किए जाने की बात कही गई है। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा जमोड़ी और कोतवाली थाना पुलिस की टीमें मौके पर तैनात रहीं कोतवाली थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस को प्रदर्शन की जानकारी पहले से थी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था प्रदर्शन के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के बाद अपनी मांगों को लेकर प्रशासन के समक्ष विरोध दर्ज कराया प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्राओं को हुनर से आत्मनिर्भर बनाने की पहल, केवीआईसी प्रशिक्षण से खुलेंगे स्वरोजगार के रास्ते

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। दीनदयाल शोध संस्थान की ओर से ग्रामोदय पखवाड़े के तहत बछरन ग्राम पंचायत में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य इंटर कॉलेज की छात्राओं को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना रहा कार्यक्रम में छात्राओं को विभिन्न प्रशिक्षणों और छोटे स्तर पर व्यवसाय शुरू करने की संभावनाओं की जानकारी दी गई उद्यमिता विद्यापीठ के फील्ड समन्वयक रमाशंकर शुक्ला ने खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने कहा कि छात्राएं अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार सिलाई, मेहंदी, रंगोली, अचार, पापड़, बड़ी बनाने सहित ब्यूटीशियन जैसे हुनर सीख सकती हैं। इन कौशलों के जरिए घर से ही काम शुरू कर आय का साधन विकसित किया जा सकता है। रमाशंकर शुक्ला ने विशेष रूप से सिलाई प्रशिक्षण के फायदों की जानकारी उन्होंने बताया कि सिलाई और डिजाइनिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्राएं घर से कपड़े तैयार करने का काम शुरू कर सकती हैं ब्लाउज, सूट और बच्चों के कपड़े सिलने के साथ डिजाइनिंग का काम भी किया जा सकता है। इससे छात्राओं को पढ़ाई के साथ भविष्य में स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा उन्होंने कहा कि कौशल विकास केवल रोजगार तक सीमित नहीं है बल्कि इससे युवाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ता है प्रशिक्षण के बाद छात्राएं अपनी क्षमता के अनुसार छोटे स्तर से काम शुरू कर उसे धीरे-धीरे आगे बढ़ा सकती हैं। कार्यक्रम में छात्राओं को उपलब्ध प्रशिक्षण योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विभिन्न प्रशिक्षणों और स्वरोजगार से जुड़े अवसरों को लेकर जानकारी प्राप्त की। आयोजकों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को स्थानीय स्तर पर उपयोगी कौशल उपलब्ध कराने से उन्हें भविष्य में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल सकती है कार्यक्रम में इंटर कॉलेज के प्राचार्य राकेश सिंह, शिक्षक अजीत सिंह और शिक्षिका उत्तरानी का सहयोग रहा कार्यक्रम का संयोजन समाजशिल्पी दंपती अनुज सिन्हा और पूनम सिन्हा ने किया आयोजकों ने छात्राओं को प्रशिक्षण से जुड़ने और अपने हुनर को रोजगार का माध्यम बनाने के लिए प्रेरित किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत चंदवाही में जल संरक्षण, जल स्रोत सफाई एवं एक गांव गोद ले-सेवा सेतु कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र सिहावल की ग्राम पंचायत चंदवाही में जल संरक्षण एवं जल स्रोत सफाई तथा एक गांव गोद लेदूसेवा सेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में विधायक विधानसभा क्षेत्र सिहावल विश्वामित्र पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विश्वामित्र पाठक ने कहा कि जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण केवल एक अभियान नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी जिम्मेदारी है। जल संरक्षण और जल स्रोतों की सफाई भविष्य के लिए जीवन बचाने तथा स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में सबसे जरूरी कदम हैं। जल सुरक्षित रहेगा तभी भविष्य सुरक्षित रहेगा उन्होंने ग्रामीणों से जल संरक्षण से जुड़े कार्यों में सक्रिय सहभागिता की अपील की। विधायक ने ग्राम पंचायत चंदवाही में अब तक स्वीकृत कराए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ग्राम चंदवाही का चयन वृंदावन ग्राम के रूप में किया गया है अब ग्राम को गोद लेकर मूलभूत सुविधाओं के विकास, हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ दिलाने, आजीविका के साधन उपलब्ध कराने तथा अधोसंरचना विकास से जुड़े कार्य समय-सीमा में कराए जाएंगे उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से ग्राम का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की जनभागीदारी से जल स्रोत की सफाई एवं स्वच्छता का कार्य किया गया ग्रामीणों ने जल स्रोतों को स्वच्छ रखने तथा जल संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम में एसडीएम राकेश शुक्ला, पुष्पेंद्र पाण्डेय, जनपद सीईओ रोहित उपाध्याय, टीआई राजेश पाण्डेय, सरपंच प्रतिनिधि भूपेंद्र पाण्डेय, रमेश तिवारी, रविनंदन सिंह, योगेन्द्र नाथ पाठक, दिलीप सोनी, संतोष साहू, अमर बहादुर सिंह, रितेश गुप्ता, अशोक सिंह, समारू कोल, अरुण पाठक सहित क्षेत्रीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बाढ़ में टूटा मंदाकिनी पुल श्मशान घाट का टीन शेड, बारिश में अंतिम संस्कार में परेशानी

स्थायी शेड, रोशनी, पेयजल और साफ-सफाई की मांग को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। तेज बाढ़ के कारण मंदाकिनी पुल के पास स्थित श्मशान घाट की व्यवस्थाएं प्रभावित हो गई हैं बाढ़ में घाट परिसर का टीन शेड क्षतिग्रस्त होकर टूट गया है बारिश के दौरान अंतिम संस्कार के लिए पहुंचने वाले लोगों को खुले में खड़े होकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है घाट पर पेयजल, बैठने की जगह, पर्याप्त रोशनी और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी भी सामने आई है। बुधवार को जय बजरंग सेना की राष्ट्रीय प्रभारी अर्चना नितिन उपाध्याय ने श्मशान घाट का निरीक्षण किया इस दौरान स्थानीय लोगों ने उन्हें बाढ़ के बाद बिगड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी दी लोगों ने बताया कि बारिश के समय टूटे टीन शेड के कारण अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है घाट पर नियमित सफाई और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की भी जरूरत है निरीक्षण के बाद अर्चना नितिन उपाध्याय कलेक्ट्रेट पहुंचीं और जिलाधिकारी पुलकित गर्ग से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में बाढ़ से क्षतिग्रस्त टीन शेड की तकनीकी जांच कराने और उसकी जगह मजबूत एवं स्थायी शेड बनवाने की मांग की गई।

राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव के लिए सीधी से चार प्रतिभागियों का चयन, पेंच राष्ट्रीय उद्यान में होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विद्यार्थियों में पर्यावरण, जंगल और वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा प्रकृति संरक्षण की भावना विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित जिला स्तरीय मोगली उत्सव में सीधी विकासखंड ने दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया सीधी विकासखंड की टीम ने कनिष्ठ और वरिष्ठ दोनों वर्गों में प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 सीधी में किया गया जिसमें जिले के पांचों विकासखंडों की टीमों ने हिस्सा लिया कनिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिता में सीधी विकासखंड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुसमी की टीम दूसरे और मझौली की टीम तीसरे स्थान पर रही इसी तरह वरिष्ठ वर्ग में भी सीधी विकासखंड ने बाजी मारी सिहावल ने द्वितीय और रामपुर नैकिन ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पर्यावरण, वन्यजीव, जंगल और प्रकृति संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी जानकारी और समझ का प्रदर्शन किया प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील बनाना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी समझ को मजबूत करना रहा। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न पर्यावरणीय विषयों पर अपनी जानकारी प्रस्तुत की कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा और जिला शिक्षा अधिकारी पी.के. सिंह उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन जिला नोडल अधिकारी एवं क्विज मास्टर वीरेंद्र सिंह बघेल, प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल बरिगवा ने किया। आयोजन में मास्टर ट्रेनर राकेश रतन पांडे, इको क्लब से रोहिणी प्रसाद पाठक, उच्च माध्यमिक शिक्षक वंदना शुक्ला, हरिओम शुक्ला और गुरु प्रसाद साहू ने सहयोग किया आभार प्रदर्शन उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 के प्राचार्य डॉ. एस.एन. त्रिपाठी ने किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के आधार पर सीधी जिले से चार विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव के लिए किया गया है इनमें वरिष्ठ वर्ग से एक छात्र और एक छात्रा तथा कनिष्ठ वर्ग से एक छात्र और एक छात्रा शामिल हैं चयनित प्रतिभागी 26 अक्टूबर 2026 को सीधी से जबलपुर होते हुए सिवनी के लिए रवाना होंगे राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव का आयोजन 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक पेंच राष्ट्रीय उद्यान, सिवनी में किया जाएगा यहां चयनित विद्यार्थी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे और पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

सीधी में 1062 विद्यार्थियों को मिली 73.10 लाख रुपए की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत सीधी जिले के शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत 1062 विद्यार्थियों को 73 लाख 10 हजार 177 रुपए की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया है छात्रवृत्ति की राशि पात्र विद्यार्थियों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की गई छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों ने एमपीटास पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित महाविद्यालयों के नोडल प्राचार्यों द्वारा दस्तावेजों और आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण एवं सत्यापन किया गया। पात्र पाए गए विद्यार्थियों के एकल बैंक खातों में छात्रवृत्ति की राशि भेजी गई विभाग के अनुसार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के दौरान आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है आर्थिक कारणों से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो और वे अपनी शिक्षा निरंतर जारी रख सकें इसके लिए शासन द्वारा पात्र विद्यार्थियों को नियमानुसार छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। योजना के तहत विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है आवेदन प्रक्रिया के बाद महाविद्यालय स्तर पर सत्यापन किया जाता है और पात्रता पूरी करने वाले विद्यार्थियों को निर्धारित नियमों के अनुसार छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाता है जिले के 1062 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिलने से उनकी उच्च शिक्षा से जुड़ी आवश्यकताओं में आर्थिक सहायता मिलेगी विभाग ने पात्र विद्यार्थियों को शासन की छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ लेने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

इलाज या मुनाफे का खेल?

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट को एक बार फिर बेहिसाब महंगी दवाओं पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करनी पड़ी। उसने कैंसर की दवा की दस गुना अधिक कीमत पर बिक्री को सामूहिक संहार करार दिया। इसके पहले उसने कैंसर की 27 सौ वाली दवा को 27 हजार रुपये में उपलब्ध होने को दिनदहाड़े डाली जाने वाली डकैती कहा था। वास्तव में इसे डकैती के अलावा और कुछ कहा भी नहीं जा सकता।

गत दिवस सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि कारपोरेट अस्पताल किसी पर रहम नहीं कर रहे हैं। उसने केंद्र सरकार से इस पर ध्यान देने को भी कहा कि आखिर ये अस्पताल लोगों को अपने यहां से ही दवाएं खरीदने के लिए क्यों बाध्य कर रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी पर केंद्र सरकार की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जिस तरह यह कहा कि इस मामले में संतुलित समाधान की जरूरत है, उससे ऐसा लगता है कि अभी तक इस बारे में कोई सोच-विचार ही नहीं किया गया। क्या हमारे नीति-नियंता अभी तक इससे अवगत नहीं थे कि किस तरह कुछ जीवन रक्षक दवाओं को भी अनाप-शनाप मूल्यों पर बेचा जा रहा है और इस मामले में निजी क्षेत्र के अस्पतालों पर तो कोई लगाम ही नहीं है? सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि कारपोरेट अस्पताल कोई सेवा नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे एक उद्योग की तरह काम कर रहे हैं।

उन्हें मनमानी करने की छूट नहीं दी जा सकती, क्योंकि वे आयुष्मान भारत और अन्य सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत भी लोगों का उपचार करते हैं। इसमें खर्च होने वाला धन आम जनता के टैक्स का पैसा होता है। बेहतर हो कि सरकार मरीजों के हित को ध्यान में रखकर ऐसी कोई व्यवस्था बनाए, जिससे दवाओं के मनमाने दाम न वसूल किए जा सकें। यह ठीक है कि इस क्रम में अस्पतालों और फार्मा कंपनियों के हितों का भी ध्यान रखना होगा, क्योंकि नई दवाओं के शोध की भी अपनी एक कीमत होती है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं हो सकता कि उन्हें मनमानी करने दी जाए। दुर्भाग्य से अभी मनमानी ही हो रही है। इसका कोई सुनिश्चित आधार ही नहीं कि फार्मा कंपनियां अपनी दवाओं के मूल्य का निर्धारण किस तरह करती हैं? एमआरपी की मौजूदा व्यवस्था को एक छलावे के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता।

समझना कठिन है कि जब दवाएं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आती हैं, तब फिर उन्हें मनचाहे मूल्य पर बेचने की अनुमति कैसे दी जा सकती है? प्रश्न यह भी है कि कारपोरेट अस्पताल जेनेरिक दवाओं का उपयोग क्यों नहीं करते? इसी तरह इस प्रश्न का भी उत्तर मिलना चाहिए कि दवाओं के मूल्यों के मामले में मुनाफे का कोई मानदंड क्यों नहीं बनाया जा सकता? एक ऐसे समय जब निजी अस्पतालों पर निर्भरता बढ़ रही है, तब दवाओं के मनमाने मूल्यों पर लगाम लगनी ही चाहिए।

विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध का भारत पर प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से रसातल में जाती हुई दिखाई दे रही हैं। विभिन्न देशों (रूस-यूक्रेन, इजराईल-हम्मास, ईरान-अमेरिका एवं सऊदी अरब-हूथी) के बीच चल रहे युद्ध ने उन देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी विपरीत रूप से प्रभावित करना प्रारम्भ कर दिया है, जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े हैं। इस श्रेणी के देशों में भारत का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आ रहा है। दरअसल, भारत अपनी कुल खपत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। उक्त युद्ध प्रारम्भ होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं एवं यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल गई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह स्थिति किसी भी कीमत पर उचित नहीं है, क्योंकि भारत को महंगी दरों पर कच्चे तेल का आयात करना पड़ रहा है और इससे महंगे कच्चे तेल के साथ साथ भारत में मुद्रा स्फीति भी आयातित हो रही है। साथ ही, भारत को महंगे कच्चे तेल के आयात का अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना होता है, जिससे भारतीय रुपए की कीमत पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ता जा रहा है एवं भारतीय रुपए का लगातार अवमूल्यन होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रुपए के अवमूल्यन से भारत द्वारा आयात किए जाने वाले समस्त उत्पाद महंगे हो जाते हैं।

उक्त वर्णित युद्ध प्रारम्भ होने के पूर्व, भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर) वैश्विक स्तर पर अमेरिका, चीन, जर्मनी के पश्चात चौथे स्थान पर पहुंच गई थी। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में आए परिवर्तन के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर छठे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि सकल घरेलू उत्पाद उसी स्तर पर बना रहा है। इसका मुख्य कारण, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर का भारतीय रुपए की तुलना में लगातार मजबूत होते जाना है।

जैसे जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध और अधिक आक्रामक होता जा रहा है, वैसे वैसे अब यह सम्भावना बलवती होती जा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं एवं अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी भारी वृद्धि देखने में आ सकती है, क्योंकि यूक्रेन गेहूं का बड़ा उत्पादक देश है। यूक्रेन ने रूस के कच्चे तेल को संसाधित कर पेट्रोल एवं डीजल बनाने वाली उत्पादन इकाईयों को भी भारी नुक्सान पहुंचाया है। इससे रूस ने गैस एवं ईंधन की आपूर्ति को यूरोपीयन देशों को स्थगित कर दिया है। सर्दी के मौसम में यूरोपीयन देशों को गैस एवं ईंधन की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। परंतु, इस वर्ष यूरोपीयन देशों को सर्दी के मौसम में गैस एवं ईंधन की आपूर्ति प्रभावित होने वाली है इससे इन देशों के नागरिकों को सबसे अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ करके विश्व के कई देशों को भारी परेशानी में डाल दिया है। न केवल कच्चा तेल बल्कि फर्टिलाइजर, खाद्य पदार्थ, गैस, आदि की आपूर्ति प्रभावित हुई है। साथ ही, वित्तीय क्षेत्र में भी कई देशों को भारी कठिनाईयों के बीच में धकेल दिया है। यदि यह युद्ध कुछ समय और चलता है, जिसके कि आसार दिखाई दे रहे हैं, तो कई देशों के दिवालिया होने की सम्भावना बनती नजर आ रही है। अमेरिका में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यू एस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 आधार बिंदुओं की बढ़ौतरी की है। अक्टोबर 2026 एवं दिसम्बर 2026 माह में भी पुनः 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहने की प्रबल सम्भावना है एवं इसके चलते अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण मुश्किल है। ब्याज दरों में वृद्धि के चलते अमेरिका में यू एस बांड यील्ड में भी लगातार वृद्धि हो रही है एवं यह अपने लगभग उच्चतम स्तर 5.25 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बांड यील्ड के उच्च स्तर पर पहुंचने के चलते अमेरिकी निवेशक तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं से अपना निवेश निकाल कर अमेरिकी बांड में निवेश कर रहे हैं क्योंकि अपेक्षाकृत यह सुरक्षित निवेश है एवं ब्याज दर भी अधिक मिल रही है। भारत जैसी तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह स्थिति ठीक नहीं है। भारत सहित अन्य विकासशील देशों से निकल रहे विदेशी निवेश से इन देशों की अपनी मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा है, जिससे इन देशों में विभिन्न पदार्थों के आयात महंगे हो रहे हैं एवं इन देशों में मुद्रा स्फीति फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है।

इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है। एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया।

कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी। इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है।

नियमों की अनदेखी जिंदगी पर भारी पड़ रही, सड़क सुरक्षा पहली प्राथमिकता

कांतिलाल मांडोत

सड़क पर सुरक्षित चलना केवल यातायात नियमों का पालन करना नहीं, बल्कि अपने जीवन के साथ-साथ दूसरों के जीवन की रक्षा करना भी है। सड़क दुर्घटनाएं आज किसी एक शहर, जिले या राज्य की समस्या नहीं रह गई हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रतिदिन होने वाले हादसों में बड़ी संख्या में लोगों की जान चली जाती है और कई परिवार हमेशा के लिए अपने प्रियजनों को खो देते हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से अनेक दुर्घटनाएं ऐसी होती हैं, जिन्हें थोड़ी सी सावधानी और यातायात नियमों के पालन से टाला जा सकता है। इसलिए सड़क सुरक्षा को जीवन की पहली प्राथमिकता बनाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

सूरत ग्रामीण क्षेत्र में सामने आए सड़क हादसों के आंकड़े इसी गंभीर स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। यहां सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर बढ़कर 43.50 प्रतिशत तक पहुंचने की जानकारी कार्यक्रम में अधिकारियों ने दी। हादसों को कम करने और युवाओं में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सांकरी में सड़क सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सड़क सुरक्षा अग्रदूत प्रशिक्षण के अंतर्गत 1500 से अधिक विद्यार्थियों को निशुल्क हेलमेट वितरित किए गए। ऐसे कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन न रहकर लोगों की सोच और व्यवहार में बदलाव लाने का माध्यम बनें, तभी इनका वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा।

कार्यक्रम में अधिकारियों ने जिस तरह सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की, वह आम नागरिकों के लिए भी गंभीर संदेश है। बारडोली आरटीओ की ओर से बताया गया कि सूरत ग्रामीण में राज्य में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। गुजरात में हर साल हजारों लोगों की सड़क हादसों में मौत होती है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग नियमों को जानते हुए भी उनका पालन नहीं करते। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, निर्धारित गति से वाहन चलाना, गलत दिशा में वाहन नहीं चलाना और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना जैसी सामान्य सावधानियां जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अक्सर लोग कुछ सौ मीटर की दूरी बचाने के लिए गलत दिशा में वाहन दौड़ा देते हैं। उन्हें लगता है कि इससे समय बच जाएगा, लेकिन यही जल्दबाजी कभी-कभी गंभीर दुर्घटना का कारण बन जाती है। सड़क पर गलत दिशा में वाहन चलाना केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि सामने से आने वाले वाहन चालकों और पैदल चलने वालों के लिए भी खतरा पैदा करता है। थोड़ी दूरी के लिए नियम तोड़ना किसी भी स्थिति में समझदारी नहीं है। सड़क पर हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि उसकी एक छोटी सी गलती किसी दूसरे परिवार के जीवन में बड़ा दुख ला सकती है।

दोपहिया वाहन चालकों के लिए विशेष सावधानी जरूरी है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुल दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 46 प्रतिशत तक बताई गई है। इसका अर्थ है कि दोपहिया वाहन चलाने वालों को अपनी सुरक्षा के प्रति अधिक सजग होना होगा। हेलमेट केवल पुलिस के डर से पहनने वाली चीज नहीं है। यह सिर को गंभीर चोट से बचाने वाला सुरक्षा कवच है। हेलमेट हमेशा सही तरीके से और उसकी पट्टी बांधकर पहनना चाहिए। वाहन चलाते समय तेज गति, अचानक ओवरटेक और खतरनाक ढंग से वाहन चलाने से बचना चाहिए।

माता-पिता की जिम्मेदारी भी यहां महत्वपूर्ण हो जाती है। कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति देना उनके लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। अभिभावकों को बच्चों को यह समझाना चाहिए कि सड़क कोई खेल का मैदान नहीं है। वाहन चलाने के लिए निर्धारित उम्र, लाइसेंस और यातायात नियमों का पालन जरूरी है। बच्चे यदि नियमों को छोटी उम्र से समझेंगे तो भविष्य में जिम्मेदार वाहन चालक बन सकते हैं। माता-पिता स्वयं हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करेंगे तो बच्चों पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पैदल चलने वालों की सुरक्षा भी सड़क सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दुर्घटनाओं में पैदल यात्रियों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत तक बताई गई है। सड़क पार करते समय निर्धारित स्थान का उपयोग करना, वाहन आने-जाने की दिशा देखकर आगे बढ़ना और मोबाइल फोन में ध्यान लगाए बिना सड़क पर चलना जरूरी है। वाहन चालकों को भी पैदल यात्रियों, बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगों के प्रति अतिरिक्त सावधानी रखनी चाहिए। सड़क पर सबसे कमजोर व्यक्ति की सुरक्षा का ध्यान रखना ही सभ्य यातायात व्यवस्था की पहचान है।

सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं को सड़क सुरक्षा का अग्रदूत बनाने की बात कही गई। यह पहल महत्वपूर्ण है, क्योंकि युवा वर्ग यातायात व्यवस्था में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकता है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण, प्रश्नोत्तरी और जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। विद्यार्थियों को केवल नियमों की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें नियमों का पालन करने की आदत भी विकसित करनी होगी। सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार परिवार से शुरू होकर समाज तक पहुंचता है।

सड़क सुरक्षा के लिए प्रशासन, पुलिस, परिवहन विभाग और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। केवल चालान और दंड से दुर्घटनाओं को पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। सड़क की स्थिति सुधारना, संकेतक लगाना, अंधे मोड़ों पर पर्याप्त व्यवस्था करना, गति सीमा का पालन कराना और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान करना भी जरूरी है। साथ ही नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। वाहन चलाने से पहले वाहन की स्थिति जांचना, ब्रेक, टायर और रोशनी की व्यवस्था ठीक रखना भी सुरक्षा का हिस्सा है।

सुविधाओं से भरे घर, स्नेह को तरसते बुजुर्ग

(अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर विशेष)

भारतीय संस्कृति में सदा से ही बड़ों के आदर-सम्मान की परम्परा रही है लेकिन आज दुनिया के अन्य देशों सहित हमारे देश में भी वृद्धजनों पर बढ़ते अत्याचारों की खबरें समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। अधिकांश परिवारों में वृद्ध जिस तरह की उपेक्षा झेलने को मजबूर हैं, उससे ज्यादा पीड़ादायक और क्या हो सकता है! समृद्ध परिवार होने के बावजूद घर के बुजुर्ग वृद्धाश्रमों में जीवनयापन करने को विवश हैं। बहुत से मामलों में बच्चे ही उन्हें बोझ मानकर वृद्धाश्रमों में छोड़ आते देते हैं। हालांकि यह उम्र का ऐसा पड़ाव होता है, जब उन्हें परिजनों के अपनेपन, प्यार और सम्मान की सर्वाधिक जरूरत होती है। एक व्यक्ति जिस घर-परिवार को बनाने में अपनी पूरी जिंदगी खपा देता है, वृद्धावस्था में जब उसी घर में उसे अवांछित वस्तु के रूप में देखा जाने लगता है तो लगता है जैसे उस घर में रहने वालों की इंसानियत और उनके संस्कार मर चुके हैं।

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में ऐसे हालात को देखते हुए ही वृद्धजनों के लिए कुछ कल्याणकारी कदम उठाने की जरूरत महसूस हुई थी। इसीलिए वर्ष 1982 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' जैसा नारा देते हुए 'सबके लिए स्वास्थ्य' अभियान का शुरू किया था। वृद्धों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने और वृद्धजनों के प्रति उदारता व उनकी देखभाल की जिम्मेदारी के अलावा उनकी समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र ने 14 दिसंबर 1990 को निर्णय लिया कि प्रतिवर्ष एक अक्तूबर का दिन दुनियाभर में 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की इस पहल के बाद एक अक्तूबर 1991 को पहली बार यह दिवस मनाया गया, जिसे 'अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस' के नाम से भी जाना जाता है। बुजुर्गों के प्रति वैसे तो सभी के हृदय में हर पल, हर दिन सम्मान का भाव होना चाहिए लेकिन दिल में छिपे इस सम्मान को व्यक्त करने के लिए औपचारिक तौर पर यह दिन निश्चित किया गया। 1991 में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत के बाद वर्ष 1999 को पहली बार 'बुजुर्ग वर्ष' के रूप में भी मनाया गया था।

इस वर्ष 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' 'दीर्घायु का युगः लंबे जीवन के लिए प्रणालियों पर

पुनर्विचार' विषय के साथ मनाया जा रहा है। भारतीय समाज में सयुंक्त परिवार को हमेशा से अहमियत दी गई है लेकिन आज के बदलते परिवेश में छोटे और एकल परिवार की चाहत में संयुक्त परिवार की अवधारणा खत्म होती जा रही है। यही कारण है कि लोग अपने बुजुर्गों से दूर होते जा रहे हैं और नई पीढ़ी दादा-दादी, नाना-नानी के प्यार से वंचित होती जा रही है। एकल परिवार के बढ़ते चलन के कारण ही परिवारों में बुजुर्गों की उपेक्षा होने लगी है। न चाहते हुए भी बुजुर्ग अकेले रहने को मजबूर हैं। इसका एक गंभीर परिणाम यह देखने को मिला है कि बुजुर्गों के प्रति अपराध भी तेजी से बढ़े हैं। शहरों-महानगरों में आए दिन बुजुर्गों को निशाना बनाए जाने की खबरें दहला देती हैं। दूसरा गंभीर परिणाम यह कि बच्चों को बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य नहीं मिलने के कारण उनके जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। एक सर्वे के अनुसार दादा-दादी या नाना-नानी के साथ रहने वाले बच्चों का विकास अकेले रहने वाले बच्चों की तुलना में कहीं ज्यादा अच्छा और मजबूत होता है और ऐसे बच्चों में आत्मविश्वास भी अधिक देखने को मिला है। आज पति-पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं, ऐसे में बच्चे घर में अकेले रहते हैं और कम उम्र में ही उनमें अवसाद जैसी समस्याएं पनपने लगती हैं।

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने हालांकि वर्ष 1999 में एक राष्ट्रीय नीति बनाई थी तथा उससे पहले वर्ष 2007 में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक भी संसद में पारित किया गया था, जिसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा का प्रावधान था लेकिन इसके बावजूद देशभर में वृद्धाश्रमों में बढ़ती संख्या इस तथ्य को इंगित करती है कि भारतीय समाज में वृद्धों को उपेक्षित किया जा रहा है। कुछ समय पहले 96 देशों में कराए गए एक सर्वे के बाद 'ग्लोबल एज वॉच इंडेक्स' जारी किया गया था। उस सूचकांक के मुताबिक करीब 44 फीसदी बुजुर्गों का मानना था कि उनके साथ सार्वजनिक स्थानों पर दुर्व्यवहार किया जाता है जबकि 53 फीसदी बुजुर्गों का कहना था कि समाज उनके साथ भेदभाव करता है।

भारतीय संस्कृति में जन्म देने वाली मां और पालन करने वाले पिता का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा माना गया है। सदियों से मान्यता रही है कि जिन घरों में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वे तीर्थस्थल से कम नहीं होते। ऐसे में वृद्धों के उत्पीड़न और उपेक्षा की घटनाएं बढ़ना गंभीर संकट का संकेत है। दरअसल वृद्धावस्था हर व्यक्ति के जीवन का एक पड़ाव है। यदि आज हम अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं तो आने वाले समय में हमें भी अपने बच्चों से कोई अच्छी उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए। वृद्धावस्था में बुजुर्ग शारीरिक रूप से शिथिल भी हो जाएं तो परिजनों का कर्त्तव्य है कि पूरे सम्मान के साथ उनका ध्यान रखा जाए। वृद्धावस्था में शारीरिक स्थिति में बदलव आना सामान्य बात है। बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, याद्दाश्त कमजोर पड़ने, भूलने जैसी समस्याएं आमतौर पर देखी जाती हैं लेकिन दवाओं के साथ-साथ परिजनों के अच्छे व्यवहार की मदद से ऐसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

आर्थिक समस्या से जूझते वृद्धों के लिए लगभग सभी पश्चिमी देशों में पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था है। भारत में भी वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा है लेकिन उनके सामने स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा अकेलेपन की जो समस्या है, उसका इलाज नहीं है। यह अकेलापन वृद्धजनों को भीतर ही भीतर सालता रहता है। हालांकि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का निर्णय निश्चित रूप से वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाएगा और इससे देश में करीब साढ़े चार करोड़ पर?वारों को लाभ होने की उम्?मीद है लेकिन बुजुर्गों के मामले में कई बार चिंताजनक स्थिति यह होती है कि बीमारी के समय में भी सांत्वना देने वाला उनका कोई अपना उनके पास नहीं होता।

हालांकि आज कुछ ऐसी संस्थाएं हैं, जो एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे वृद्धों के लिए निस्वार्थ भाव से काम कर रही हैं लेकिन ये संस्थाएं भी अपनों की महसूस होती कमी की भरपाई तो नहीं कर सकती। बहरहाल, वृद्धजनों को अपने परिवार में भरपूर मान-सम्मान मिले, इसके लिए सामाजिक जागरूकता जैसी पहल की सख्त दरकार है ताकि वृद्धों के प्रति परिजनों की सोच सकारात्मक होने से बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम जैसे स्थानों की समाज में आवश्यकता ही महसूस नहीं हो।

चिरमिरी में मेगा हेल्थ कैंप: एक छत के नीचे जुटे विशेषज्ञ डॉक्टर, 10 हजार लोगों की जांच का लक्ष्य

कैंसर, हृदय, आंख, हड्डी, किडनी समेत गंभीर बीमारियों की जांच और उपचार स्वास्थ्य मंत्री ने किया दो दिवसीय शिविर का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत चिरमिरी के पोड़ी स्थित मंगल भवन में दो दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप का शुभारंभ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया नगर पालिक निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को जिलेवासियों को विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं शिविर में 10 हजार लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार का लक्ष्य रखा गया है शुभारंभ से पहले स्वास्थ्य मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने अटल परिसर पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की इसके बाद मंगल भवन में छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरुआत की गई स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर जांच और उपचार की व्यवस्थाओं की जानकारी ली शिविर में रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों से कार्डियोलॉजिस्ट न्यूरोलॉजिस्ट यूरोलॉजिस्ट यूरोसर्जन आर्थोपेडिक पीडियाट्रिक्स सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, कैंसर, शल्य चिकित्सा, स्त्री रोग, मेडिसिन, दंत चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, नेत्र, चर्म और ईएनटी जैसी विशेषज्ञ सेवाएं भी उपलब्ध हैं इससे जिले के मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श के लिए बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं होगी कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहा है शिविर में बालको कैंसर इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ भी मरीजों की जांच कर रहे हैं जरूरतमंदों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए पंजीयन किया जा रहा है स्वास्थ्य मंत्री ने नागरिकों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की मंत्री ने बताया कि शिविर की शुरुआत में 5 लोगों ने नेत्रदान, 10 ने अंगदान और 3 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया उन्होंने लिवर, किडनी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित जरूरतमंद मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के प्रयासों की जानकारी दी जिले में जल्द मेंटल हॉस्पिटल शुरू करने की भी बात कही कार्यक्रम में हितग्राहियों को छड़ी, कान की मशीन, आयुष्मान कार्ड और टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पोषण आहार वितरित किया गया स्वास्थ्य विभाग को 8 डेथ बॉडी फ्रिजर भी सौंपे गए विशेषज्ञ चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया 2 अक्टूबर को कैंप आयोजित नहीं होगा कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने उपस्थित लोगों को नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई महापौर रामनरेश राय ने शिविर को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण पहल बताते हुए स्वास्थ्य मंत्री के प्रति आभार जताया सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे ने नागरिकों से स्वास्थ्य जांच कराने और विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ लेने की अपील की।

बिहान समूह से जुड़ीं रंजना, घर से शुरू किया मनिहारी व्यवसाय

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासन की योजनाओं से लोगों के जीवन में आए बदलाव की प्रेरक कहानियां सामने आ रही हैं। इसी क्रम में विकासखंड भरतपुर के ग्राम तिलौली निवासी रंजना सिंह ने बिहान स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की राह अपनाई हैरंजना सिंह ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद स्वरोजगार शुरू करने का निर्णय लिया समूह के माध्यम से उन्हें 60 हजार रुपए का ऋण मिला, जिससे उन्होंने अपने घर पर मनिहारी की दुकान शुरू की मेहनत और लगन से धीरे-धीरे उनका व्यवसाय आगे बढ़ा और अब उन्हें इससे प्रतिमाह करीब 8 से 10 हजार रुपए की आय हो रही है रंजना बताती हैं कि बिहान समूह से जुड़ना उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया समूह से मिले सहयोग और ऋण के कारण उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिला अब वे स्वयं दुकान का संचालन कर परिवार की जरूरतों में आर्थिक सहयोग कर रही हैं उन्होंने कहा कि स्वरोजगार ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है रंजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए संचालित योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है रंजना की सफलता ग्रामीण महिलाओं के लिए संदेश है कि उचित अवसर और सहयोग मिलने पर वे घर से व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

कांग्रेस ने शिवपुरी में मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पुतला फूंका, मतदाता सूची में बदलाव के विरोध में कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में बुधवार को मतदाता सूची में बदलाव और विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ङ्क्र) के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया कार्यकर्ता माधव चौक पर एकत्र हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका इसके बाद रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा पद के दुरुपयोग का लगाया आरोप कांग्रेस ने ज्ञापन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर पद के दुरुपयोग और चुनाव प्रक्रिया में पक्षपात का आरोप लगाया। पार्टी ने मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया और स्ङ्क्र में पारदर्शिता की मांग की। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए राष्ट्रपति से मामले में दखल देने की मांग की पांच प्रमुख मांगें रखीं ज्ञापन में कांग्रेस ने मतदाता सूची में होने वाले हर बदलाव का डेटा सार्वजनिक करने, हटाए गए मतदाताओं को इसकी सूचना देने और उन्हें अपील का मौका देने की मांग की इसके अलावा सभी राजनीतिक दलों को समय पर मतदाता सूची उपलब्ध कराने की मांग रखी गई कांग्रेस ने चुनाव प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच कराने और चुनाव से जुड़े डेटा में पूरी पारदर्शिता रखने की मांग भी की।

आईटीआई में छात्र से दूसरी मंजिल पर टंकी साफ कराने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में छात्र की सुरक्षा को लेकर लापरवाही का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में एक छात्र संस्थान की दूसरी मंजिल की छत पर बनी पानी की टंकी की सफाई करता दिखाई दे रहा है छात्र संकरी मुंडेर पर खड़े होकर टंकी से पानी बाल्टी के जरिए बाहर निकालता नजर आ रहा है वीडियो में छात्र ने हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, ग्लव्स और सेफ्टी शूज जैसे सुरक्षा उपकरण नहीं पहने हैं टंकी की सफाई के दौरान वह बार-बार उसके अंदर झुकता दिखाई देता है ऐसे में संतुलन बिगड़ने पर ऊंचाई से गिरने का खतरा बना हुआ था। आईटीआई में छात्रों को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों की जानकारी भी दी जाती है। ऐसे में छात्र से ऊंचाई पर बिना सुरक्षा उपकरण के टंकी की सफाई कराने को लेकर संस्थान की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं यह भी जांच का विषय है कि छात्र को यह कार्य किसके निर्देश पर सौंपा गया मामले में आईटीआई के प्राचार्य सतीश कुमार मोरे ने कहा कि उन्हें वीडियो की जानकारी मिली है और मामले को दिखवाया जा रहा है उन्होंने कहा कि संस्थान में छात्रों को सुरक्षा उपकरणों के साथ ही प्रशिक्षण दिया जाता है।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आई सुनीता जायसवाल की सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भरता की कहानी

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से घर पर लगाया सोलर पैनल, बिजली बिल में मिली बड़ी राहत कुल 1.08 लाख सब्सिडी का मिला लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की कहानियां सामने आ रही हैं। इसी क्रम में मनेन्द्रगढ़ निवासी सुनीता जायसवाल की सौर ऊर्जा से जुड़ी कहानी सामने आई है उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कराया है। सोलर पैनल लगने के बाद उनके बिजली बिल में काफी कमी आई है और वर्तमान में उनका बिजली बिल लगभग शून्य आ रहा है सुनीता जायसवाल ने बताया कि उनके घर पर सोलर पैनल स्थापित करने में लगभग 2 लाख का खर्च आया। योजना के तहत उन्हें केंद्र सरकार की ओर से 78,000 तथा राज्य सरकार की ओर से 30,000, इस प्रकार कुल 1,08,000 की सब्सिडी प्राप्त हुई सब्सिडी मिलने से सोलर पैनल लगाने में होने वाला आर्थिक खर्च काफी कम हुआ और अब वे सौर ऊर्जा का लाभ उठा रही हैं उन्होंने बताया कि सोलर पैनल स्थापित होने के बाद बिजली के खर्च में उन्हें बड़ी राहत मिली है पहले नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल लगभग शून्य आ रहा है इससे परिवार को हर महीने बिजली खर्च में बचत हो रही है सुनीता जायसवाल ने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाने से उन्हें आर्थिक लाभ के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने का अवसर भी मिला है योजना के माध्यम से मिली सब्सिडी ने उनके लिए सोलर पैनल लगाना आसान बनाया सुनीता जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से उनके जैसे परिवारों को बिजली खर्च में राहत मिल रही है उन्होंने योजना का लाभ मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के अनुभवों और उनके जीवन में आए बदलावों को सामने लाया जा रहा है सुनीता जायसवाल की यह कहानी भी सौर ऊर्जा को अपनाने और बिजली खर्च में राहत मिलने की एक ऐसी ही लाभार्थी कहानी है।

सेवा संकल्प अभियान में स्वास्थ्य सेवाओं का नया अध्याय स्वास्थ्य मंत्री ने जरौंधा में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया शुभारंभ, ग्रामीणों को अब स्थानीय स्तर पर मिलेगी स्वास्थ्य सुविधा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई छत्तीसगढ़ शासन के आयुष्मान आरोग्य मंदिर अंतर्गत जनपद पंचायत खड़गवां के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जरौंधा का शुभारंभ लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत खड़गवां की अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम ने की शुभारंभ समारोह में जिला पंचायत सदस्य ममता सिंह, जनपद पंचायत खड़गवां के उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह करियाम, जनपद सदस्य रामवती पोया एवं ग्राम पंचायत जरौंधा के सरपंच प्रदीप कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे, जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया इसके पश्चात रिबन काटकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जरौंधा का विधिवत शुभारंभ किया गया मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य केन्द्र के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सेवाओं का जायजा लिया सामान्य उपचार और स्वास्थ्य जांच के लिए नहीं जाना पड़ेगा दूर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, सहज और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रारंभ होने से जरौंधा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा गांव के नजदीक उपलब्ध होने से ग्रामीणों को सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूरस्थ क्षेत्रों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी इससे समय और संसाधनों की बचत के साथ लोगों को आवश्यकता के समय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को गांवों तक पहुंचाने के साथ ही लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर किया जा रहा है छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति ने बांधा समां शुभारंभ समारोह में जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा द्वारा मनमोहक छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ी प्रस्तुति ने समारोह में विशेष आकर्षण जोड़ा।

VGPP 2027-28 की तैयारी को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

मास्टर ट्रेनर्स ने लाइव डेमो से समझाई ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला पंचायत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में VB-G-RAM-G के अंतर्गत वर्ष 2027-28 के लिए VGPP (Village Gram Panchayat Plan) तैयार करने को लेकर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी जनपद पंचायतों के कार्यक्रम अधिकारी तकनीकी सहायक सहायक प्रोग्रामर और सृजन टीम के सदस्य शामिल हुए कार्यशाला का उद्देश्य आगामी वित्तीय वर्ष के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर तैयार की जाने वाली विकास योजनाओं की प्रक्रिया को निर्धारित दिशा-निर्देशों और राज्य की अपेक्षाओं के अनुरूप समझाना रहा। साथ ही संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को योजना तैयार करने के लिए आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया मास्टर ट्रेनर्स ने VGPP निर्माण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी प्रशिक्षण के दौरान योजना निर्माण की प्रक्रिया आवश्यक प्रविष्टियां प्राथमिकताओं का निर्धारण उपलब्ध संसाधनों का उपयोग और ग्राम पंचायतों की स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर विकास कार्यों को योजना में शामिल करने की प्रक्रिया समझाई गई प्रशिक्षण को व्यावहारिक बनाने के लिए मास्टर ट्रेनर्स ने लाइव डेमो के माध्यम से VGPP तैयार करने की पूरी प्रक्रिया प्रदर्शित की। प्रतिभागियों को ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने विभिन्न चरण पूरे करने और योजना तैयार करते समय आवश्यक सावधानियों के बारे में बताया गया कार्यशाला में अधिकारियों-कर्मचारियों ने प्रशिक्षण से संबंधित सवाल रखे, जिनका मास्टर ट्रेनर्स ने समाधान किया।

दीपावली पर अस्थायी पटाखा लाइसेंस के लिए 17 अक्टूबर तक करें ऑनलाइन आवेदन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में अस्थायी पटाखा लाइसेंस के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है अस्थायी पटाखा लाइसेंस प्राप्त करने के इच्छुक आवेदकों को 17 अक्टूबर 2026 तक लोक सेवा केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है छत्तीसगढ़ शासन, गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के तहत निर्धारित शुल्क एवं प्रक्रिया के अनुसार अस्थायी पटाखा लाइसेंस के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे जिला प्रशासन ने इच्छुक आवेदकों से निर्धारित अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है आवेदन कैसे करें: अस्थायी पटाखा लाइसेंस के लिए आवेदक अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ लोक सेवा केंद्र में जाकर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं आवेदन निर्धारित शुल्क एवं शासन द्वारा तय प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा महत्वपूर्ण: आवेदन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर 2026 है निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी विलंब से आवेदन प्राप्त होने के कारण यदि लाइसेंस समय पर जारी नहीं हो पाता है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित आवेदक की होगीजिला प्रशासन ने सभी संबंधित आवेदकों से निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड स्तरीय सेवा सेतु शिविर का आयोजन

वन नेशन वन राशनकार्ड से खाद्य सुरक्षा अधिनियम तक दी गई जानकारी राशनकार्ड से जुड़ी प्रक्रियाओं पर ग्रामीणों को मिला मार्गदर्शन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत आमजन तक शासन की योजनाओं की जानकारी पहुंचाने और उनकी समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के जनपद पंचायत सभाकक्ष अमृत सदन में विकासखंड स्तरीय सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया शिविर में खाद्य विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं, खाद्य सुरक्षा व्यवस्था तथा राशनकार्ड से जुड़े कार्यों एवं प्रक्रियाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं को दी गई शिविर की अध्यक्षता सहायक संचालक खाद्य विभाग हुलेश डडसेना ने की इस अवसर पर जिला खाद्य अधिकारी विष्णुनारायण शुक्ला, खाद्य निरीक्षक मनेन्द्रगढ़ भूपेंद्र राज, खाद्य निरीक्षक केल्हारी ममता भगत, विधायक प्रतिनिधि कन्याकुमारी सिंह, ग्राम पंचायत छिपछिपी एवं तेंदूडांड के सरपंच, नगरपालिका मनेन्द्रगढ़ के पार्षद एवं एल्डरमैन, शासकीय उचित मूल्य दुकानों के विक्रेता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे शिविर में वन नेशन वन राशन कार्ड, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2012, नवीन राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया तथा राशन कार्ड में आवश्यक संशोधन एवं अन्य संबंधित कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई अधिकारियों ने बताया कि पात्र हितग्राही शासन की खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं ग्रामीणों को राशनकार्ड से जुड़ी विभिन्न सुविधाओं, खाद्यान्न प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा खाद्य विभाग द्वारा संचालित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई शिविर के माध्यम से हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने में आने वाली सामान्य प्रक्रियाओं एवं आवश्यक मार्गदर्शन से अवगत कराया गया शिविर के दौरान सेवा संकल्प अभियान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

ओवरटेकिंग को लेकर दो बसों के कंडक्टर में मारपीट

नर्मदापुरम में 15 मिनट चलते रहे लात-घूंसे, कट मारने पर शुरू हुआ था विवाद

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के माखननगर रोड के चक्कर रोड चौराहे पर मंगलवार रात दो बसों के स्टाफ के बीच जमकर मारपीट हुई। करीब 10 से 15 मिनट तक चौराहे पर लात-घूंसे चलते रहे। इससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, एक पक्ष शिव शक्ति कंपनी की बस का स्टाफ था। बस पिपरिया से नर्मदापुरम आ रही थी। दूसरा पक्ष मोहासा औद्योगिक क्षेत्र की एक कंपनी की स्टाफ बस का था। दोनों बसें रात करीब 9:30 बजे नर्मदापुरम की ओर आ रही थीं।

दाहोद रेंज में बाघिन की मौत, करंट लगने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, मंडीदीप (निप्र)। रायसेन के रातापानी टाइगर रिजर्व में आने वाली दाहोद रेंज में सोमवार को करीब 5 से 6 साल की बाघिन की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। एसडीओ राजकुमार शिवहरे, वन विभाग के चिकित्सक अमित ओड और चिकित्सकों की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद डीएफओ हेमंत रैकवार भी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण कर जुटाए साक्ष्य वन अधिकारियों ने बाघिन के शव की स्थिति और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। टीम ने घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए और मौत के कारणों की पड़ताल शुरू की। करंट लगने की प्रारंभिक आशंका वन विभाग के अनुसार शुरुआती जांच में बाघिन की मौत करंट लगने से होने की आशंका है। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं है। चिकित्सकीय जांच और पोस्टमार्टम के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी।

सीहोर में देर रात बेकाबू कार मोबाइल शोरूम में घुसी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के आनंद डेरी चौराहे पर सोमवार देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर मोबाइल शोरूम में घुस गई। यह हादसा इतना तेज था कि दुकान का मुख्य कांच का दरवाजा टूटकर बिखर गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सफेद रंग की यह कार चौराहे के पास अचानक बेकाबू हो गई और सीधे दुकान के अंदर जा घुसी। घटना के बाद दुकान के सामने और अंदर कांच के टुकड़े चारों तरफ फैल गए।

मौके पर भीड़ जमा हो गई: हादसे की खबर मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। अच्छी बात यह रही कि इस दौरान कोई घायल नहीं हुआ। हालांकि, दुकान के सामने वाले कांच और डिस्प्ले काउंटर को काफी नुकसान हुआ है।

हरपालपुर स्टेशन पर चलती ट्रेन से प्लेटफॉर्म पर गिरा मजदूर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। हरपालपुर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार देर रात बड़ा हादसा टल गया। दिल्ली जाने के लिए यूपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में चढ़ रहे एक 40 वर्षीय मजदूर का संतुलन बिगड़ गया और वह चलती ट्रेन से प्लेटफॉर्म पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। पत्नी और बेटी के साथ जा रहे थे दिल्ली महोबा जिले के बुधवारा गांव के रहने वाले बालाधीन अहिरवार अपनी पत्नी और बेटी के साथ मजदूरी करने दिल्ली जा रहे थे। जब ट्रेन हरपालपुर स्टेशन पर रुकी, तो वे परिवार के साथ उसमें सवार हो रहे

बस स्टैंड पर मारपीट में घायल युवक की मौत

● अस्पताल में 4 घंटे हंगामा, परिजनों ने विधायक पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया

खंडवा ● अस्पताल में 4 घंटे हंगामा, परिजनों ने विधायक पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। नया बस स्टैंड पर सोमवार शाम पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट में गंभीर घायल किशन गुप्ता की मंगलवार शाम करीब 4 बजे जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। किशन की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल में परिजन और परिचित पहुंच गए। इसके बाद करीब चार घंटे तक हंगामे और अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। परिजनों ने विधायक कंचन तनवे के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में एक पक्ष का साथ दिया गया। सूचना मिलने पर सीएसपी अभिनव वारंगे, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह, पदमनगर टीआई दिलीप देवड़ा, मोघट टीआई विकास खींची और कोतवाली टीआई प्रवीण आर्य सहित पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझाया और निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। किसी के दबाव में कार्रवाई नहीं की जा रही।

चार दिन पहले भी हुआ था विवाद: बताया जा रहा है कि करीब चार दिन पहले गुप्ता परिवार के एक युवक के साथ यादव परिवार के कुछ लोगों ने मारपीट की थी। इस मामले में गुप्ता परिवार ने पुलिस में शिकायत की थी। परिजनों का आरोप है कि उस समय अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद दोनों पक्षों में तनाव बना हुआ था। सोमवार शाम नया बस स्टैंड पर हर्षल यादव और गुप्ता परिवार के किशन गुप्ता व संदीप वाघ आमने-सामने हो गए। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इस दौरान धारदार हथियारों का इस्तेमाल हुआ। हमले में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए।

किशन के पैरों और सीने पर चाकू के वार: किशन गुप्ता के दोनों पैरों, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू के वार होने की बात सामने आई है। गंभीर हालत में उसे और उसके भाई को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

किशन की मौत के बाद विधायक पर नाराजगी

किशन की मौत के बाद उसकी बहन समेत अन्य परिजनों ने विधायक कंचन तनवे के खिलाफ नाराजगी जताई। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद विधायक अस्पताल पहुंची थीं, लेकिन उन्हें लगा कि उनका रुख एक पक्ष के प्रति अधिक था। परिजनों ने पुलिस पर भी एकतरफा कार्रवाई का दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं, इसलिए पूरे मामले की जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान परिजनों की नाराजगी का वीडियो भी सामने आया है।

पुलिस बोली- दोनों पक्षों पर केस, कुछ आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, घटना के बाद दोनों पक्षों की शिकायत और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रकरण दर्ज किया गया। हत्या के प्रयास सहित संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई थी। पुलिस ने बताया कि कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। कुछ फरार आरोपियों को राउंडअप करने की जानकारी भी पुलिस ने दी है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद साफ होगी मौत की वजह

किशन की मौत के बाद पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। जिला अस्पताल के डॉक्टर एमएल कलमे के अनुसार, रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट होगा। उन्होंने बताया कि किशन के पैरों और सीने समेत शरीर पर चोटें थीं। श्वासनली में भोजन फंसने जैसी स्थिति भी सामने आने की बात कही गई है।

अस्पताल और नया बस स्टैंड क्षेत्र में पुलिस तैनात

घटना के बाद तनाव को देखते हुए नया बस स्टैंड और अस्पताल क्षेत्र में पुलिस सतर्क है। दोनों पक्षों से जुड़े लोगों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस के अनुसार, आगे की कार्रवाई जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी। मामले में दर्ज धाराओं में भी बदलाव किया जा सकता है।

पिकअप से कूदकर जंगल में भागे सागौन तस्कर

वन अमले ने 10-12 KM तक पीछा किया, गाड़ी का नंबर बाइक का निकला, 18 कीमती लट्ठे जब्त

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा पुनासा वन परिक्षेत्र के तहत फिफरी के जंगल में सागौन की अवैध कटाई की सूचना पर पहुंचा वन अमला आरोपियों के वाहन का करीब 10 से 12 किलोमीटर तक पीछा करता रहा। आरोपियों ने जब देखा कि वन अमला पीछा नहीं छोड़ रहा है तो मोहना और टेमचा के बीच चलती पिकअप की रफ्तार धीमी कर उससे कूदकर जंगल में भाग गए। इसके बाद पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। वन अमले ने वाहन की तलाशी ली तो उसमें सागौन के 18 लट्ठे मिले। वन विभाग के अनुसार, जब्त सागौन की मात्रा 2.424 घनमीटर है, जिसकी कीमत एक लाख रुपए से अधिक आंकी गई है। मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मुखबिर की सूचना पर जंगल में पहुंची टीम : रेंजर रवि सेठ के अनुसार 29 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दक्षिण फिफरी बीट के जंगल में सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई की जा रही है। सूचना के बाद पुनासा वन परिक्षेत्र का अमला मौके पर पहुंचा और क्षेत्र की

घेराबंदी की। इसी दौरान देर रात वनकर्मियों को एक पिकअप वाहन जंगल की ओर से आता दिखाई दिया। वन अमले ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने वाहन रोकने के बजाय उसकी रफ्तार बढ़ा दी। इसके बाद वनकर्मियों ने मोटरसाइकिल और शासकीय वाहन से पिकअप का पीछा शुरू कर दिया।

10-12 किमी पीछा करने के बाद कूदे आरोपी: पिकअप ड्राइवर पुनासा-सनावद मार्ग पर वाहन को तेज गति से सनावद की ओर ले जाने लगा। वन अमला भी लगातार उसका पीछा करता रहा। करीब 10 से 12 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद मोहना और टेमचा के बीच आरोपियों ने पिकअप की गति धीमी की और चलती गाड़ी से कूदकर जंगल की ओर भाग निकले। आरोपियों के कूदने के बाद ड्राइवर के नियंत्रण से वाहन बाहर हो गया और पिकअप सड़क किनारे खेत में जाकर पलट गई। वनकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर वाहन की तलाशी ली तो उसमें सागौन प्रजाति के 18 लट्ठे मिले।

पिकअप पर लगा था बाइक का नंबर: वन अमले के लिए मामले में एक और चौंकाने वाली बात सामने आई। जब्त पिकअप वाहन पर एमपी-47 जेडए-2178 नंबर अंकित था। जांच में नंबर पिकअप का नहीं, बल्कि बाइक का निकला। वन विभाग अब यह भी जांच कर रहा है कि वाहन पर दूसरे वाहन का नंबर क्यों लगाया गया था और पिकअप का वास्तविक रजिस्ट्रेशन नंबर क्या है।

वन विभाग ने पिकअप और सागौन के सभी 18 लट्ठों को जब्त कर लिया है। जब्त लकड़ी की मात्रा 2.424 घनमीटर दर्ज की गई है।

आरोपियों की तलाश जारी: वन विभाग ने मामले में प्रकरण दर्ज किया है। फरार आरोपियों की पहचान और उनकी तलाश के लिए जांच की जा रही है। विभाग वाहन के वास्तविक मालिक और उस पर लगाए गए बाइक के नंबर की भी जानकारी जुटा रहा है। कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक रिछफल राजेश सोनारे, वनरक्षक सियाराम सिंह, पवन पलासिया, संदीप तिरोले और ननू लाल बारे शामिल रहे।

ओंकारेश्वर में डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा

एक घायल का होंठ कटा, दूसरे को कंधे और सिर में चोट

मीडिया ऑडीटर, ओंकारेश्वर (निप्र)। ओंकारेश्वर में मंगलवार दोपहर तहसील कार्यालय के पास एक सड़क हादसा हो गया। होटल में काम करने वाले दो युवकों की बाइक को पीछे से एक तेज रफ्तार डंपर (नंबर MP10 H 0248) ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय युवाओं ने मुस्तैदी दिखाते हुए घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ओंकारेश्वर पहुंचाया।

होटलकर्मी हैं दोनों घायल: हादसे में घायल युवकों की पहचान हो गई है। विजय (18, निवासी ग्राम मोहना) को बत्तीसी और होंठ पर चोट आई है। विशाल गवली को कंधे और सिर में चोट लगी है। अस्पताल में डॉक्टर रवि वर्मा और उनकी टीम ने दोनों का प्राथमिक इलाज किया। डॉक्टर का कहना है कि चोटों की गंभीरता को देखते हुए दोनों युवकों को बेहतर इलाज के लिए खंडवा रेफर किया जा रहा है।

सीधी में बेखौफ बदमाश, 3 गाड़ियों में आए, ओडिशा पुलिस को घेरा, कैदी को छुड़ा ले गए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बदमाशों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे पुलिस पर भी हमला करने से बाज नहीं आ रहे। सीधी जिले की छुहिया घाटी में 3 गाड़ियों में सवार नकाबपोश बदमाशों ने ओडिशा पुलिस की टीम पर हमला कर दिया। फायरिंग करते हुए बदमाश एके-47 से लैस 8 पुलिसकर्मियों के बीच से एनडीपीएस मामले के आरोपी आदित्य मिश्रा को छुड़ाकर फरार हो गए। ओडिशा पुलिस आरोपी को रीवा अदालत में पेशी के लिए ले जा रही थी। घटना के बाद सीधी और रीवा पुलिस ने इलाके में नाकेबंदी कर बदमाशों और कैदी की तलाश शुरू कर दी है।

3 वाहनों में सवार होकर आए: सीधी जिले में मंगलवार को तीन वाहनों में सवार नकाबपोश बदमाशों का एक समूह ओडिशा पुलिस की एक टीम पर हमला कर रीवा की अदालत में पेशी के लिए ले जाए जा रहे एक कैदी को छुड़ाकर फरार हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पेशी के लिए ले जाए जाने के दौरान वारदात: अधिकारी के अनुसार, जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र में रीवा-सीधी सीमा पर स्थित छुहिया घाटी में दोपहर के समय यह घटना हुई। ओडिशा पुलिस का दल स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के एक मामले में आरोपी आदित्य मिश्रा को रीवा की अदालत में पेशी के लिए ले जा रहा था।

पुलिस वाहन को घेरा: सीधी के पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने बताया कि ओडिशा पुलिस एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार आरोपी आदित्य मिश्रा को रीवा जिला अदालत में पेशी के लिए लेकर आ रही थी तभी छुहिया घाटी में तीन वाहनों में सवार बदमाशों ने ओडिशा पुलिस वाहन को घेर लिया।

सीधी और रीवा जिलों में नाकेबंदी: सीधी के पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने बताया कि इसके बाद बदमाशों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया और गोलियां चलाते हुए आरोपी मिश्रा को अपने साथ लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सीधी और रीवा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

बुरहानपुर में 5 वाहनों से 10 बैल बरामद

20.98 लाख के गोवंश और वाहन जब्त, सनावद से खरीदकर महाराष्ट्र ले जा रहे थे आरोपी

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के निंबोला थाना पुलिस ने गोवंश तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच अलग-अलग वाहनों से 10 बैल बरामद किए हैं। पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा है और सभी के खिलाफ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस के मुताबिक जब्त किए गए गोवंश और वाहनों की कुल कीमत करीब 20.98 लाख रुपए है। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी बैलों को सनावद बाजार से खरीदकर महाराष्ट्र ले जा रहे थे। आरोप है कि इन्हें वहां वध के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस को आरोपियों के पास गोवंश को ले जाने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। बैलों को वाहनों में बांधकर ले जाया जा रहा था।

पांच आरोपियों से दो-दो बैल बरामद : पुलिस ने नीलेश मोतेकर निवासी खामनी को दो बैलों और छोटा हाथी वाहन

क्रमांक स्क्क68 त्र 0669 के साथ पकड़ा। इसी तरह विशाल राठौर निवासी बोदरली से दो बैल और बोलेरो पिकअप स्क्क68 त्र 0880 बरामद हुई। सुरेश यादव निवासी चिंचाला के कब्जे से दो बैल और छोटा हाथी वाहन स्क्क 09 स्क्क 6259 मिला। इमरान काजीपुरा निवासी मुक्ताईनगर से दो बैल और छोटा हाथी वाहन स्क्ष 01 क्क्क 2086 जब्त किया गया। वहीं पांचवें आरोपी मनोज पवार निवासी बड़झिरी से भी दो बैल और छोटा हाथी वाहन बरामद किया गया।

पांच अलग-अलग एफआईआर दर्ज: पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 6 और 9 तथा पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(1)(घ) के तहत केस दर्ज किया है।

रतलाम में दूध विक्रेता पर किया था जानलेवा हमला, दो आरोपी पहले से जेल में बंद

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम शहर के मालीकुआं क्षेत्र में करीब दो साल पहले दूध विक्रेता और उसके साथियों पर चाकू से हमला करने के मामले में कोर्ट ने तीन आरोपियों को दोषी माना है। सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश राजेश नामदेव ने आरोपी भोला उर्फ मोनू पाटीदार, हितेश उर्फ भय्यु उर्फ कालिया और विष्णु उर्फ काला को दो-दो साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों पर जुर्माना भी लगाया है। दोषी ठहराए गए आरोपियों में भोला उर्फ मोनू पाटीदार (29), निवासी मुंदड़ा, देपालपुर और वर्तमान निवासी पैलेस रोड रतलाम, हितेश उर्फ भय्यु उर्फ कालिया (34), निवासी राजीव नगर रतलाम और विष्णु उर्फ काला (22), निवासी हरिजन बस्ती, सिलावटों का वास रतलाम शामिल हैं।

दूध देने के बाद लौट रहा था, रास्ते में हुआ विवाद: शासन की ओर से अपर लोक अभियोजन एवं शासकीय अधिवक्ता समरथ पाटीदार ने बताया कि मामले में फरियादी अजय

पाटीदार, निवासी कुआंझागर, दूध बेचने का काम करता है। उसने माणक चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक 16 दिसंबर 2024 की शाम करीब 7 बजे अजय लोकेन्द्र नाथ मंदिर में दूध देने गया था।

● मालीकुआं देवरे के पास चाकू से किया हमला

अजय के अनुसार, जब वह मालीकुआं देवरे के पास पहुंचा तो कार से भोला पाटीदार और उसका भांजा वहां पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान भोला ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। विवाद होता देखकर दूध बांट रहे विकास गुर्जर, राहुल जाट और अमन माली बीच-बचाव करने पहुंचे। शिकायत के मुताबिक इसके बाद भोला, उसके भांजे और दो अन्य साथियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज और मारपीट की। चाकू से वार किए गए, जिससे विकास और राहुल के कपड़े भी फट गए। भीड़ जुटने पर आरोपी मौके से भाग गए।

● पुलिस ने चाकू, कार और खंजर किया था जब्त

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने फरियादी के घटना के समय पहने कपड़े और घटनास्थल से खून के नमूने जब्त किए थे। आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल चाकू, कार और खंजर जब्त किया जांच पूरी होने के बाद चालान कोर्ट में पेश किया।

● भोला और विष्णु पहले से जेल में

मामले में दोषी ठहराए गए भोला पाटीदार और विष्णु उर्फ काला अन्य प्रकरण में पहले से जेल में बंद हैं। वहीं भोला पाटीदार का नाबालिग भांजा नाबालिग होने के कारण उसके खिलाफ प्रकरण बाल न्यायालय में चल रहा है।

भारत की पुरुष और महिला स्क्वैश टीम ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट, पक्के हुए दो और मेडल

नागोया ,एजेसीं। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की पुरुष और महिला स्क्वैश टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही भारत के लिए इस खेल में दो मेडल पक्के हो गए हैं। शीर्ष वरीयता हासिल करने वाली और मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने नागोया किंजो फुतो एरिना में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कुवैत को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके बाद भारतीय महिला टीम ने भी सिंगापुर के खिलाफ 2-0 की आसान जीत दर्ज की। इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत की दोनों टीमें अंतिम चार में पहुंच गईं और गोल्ड मेडल की दौड़ में बनी हुई हैं। भारत के पुरुष टीम के अभियान की शुरुआत पूल ए में चीन पर 3-0 की दमदार जीत के साथ हुई, जिसमें सूरज कुमार चंद, वीर छोटरानी और वेलवन सेंथिलकुमार ने अपने-अपने मैच जीते। कुवैत के खिलाफ, शुरुआती मुकाबले में छोटरानी को बदर अलमोगरेबी से कड़ी चुनौती मिली। दूसरा गेम हारने के बाद भारतीय खिलाड़ी ने वापसी की और 34 मिनट में 12-10, 8-11, 11-0, 11-5 से जीत हासिल की।

इसके बाद अभय सिंह कोर्ट पर उतरे। भारत सेमीफाइनल से बस एक जीत दूर था और उन्होंने अम्मार अल्तामिमी के खिलाफ शानदार खेल दिखाया। देश के खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी ने 11-3, 11-4, 11-8 से जीत दर्ज की और निर्णायक मुकाबले की जरूरत के बिना ही टाई अपने नाम कर ली। अभय नागोया में भारत के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। वह पुरुष सिंगल्स के फाइनल में पहुंचे थे और सेमीफाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को हराकर सिल्वर मेडल जीता था। इससे पहले दिन में, भारतीय महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर को 2-0 से हराकर आगे का सफर तय किया।

तन्वी खन्ना ने शुरुआती सिंगल्स मैच में औ येओंग वाई लिन के खिलाफ भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। मुकाबला पहले तीन गेम तक बराबरी का रहा, लेकिन चौथे गेम में तन्वी ने बढ़त बनाते हुए 32 मिनट में 11-6, 4-11, 15-13, 11-1 से जीत हासिल की। इसके बाद अनाहत सिंह ने दूसरे मैच में भारत के लिए जीत पक्की की और टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया। इन नतीजों से स्क्वैश में भारत के शानदार प्रदर्शन से दो और मेडल पक्के हो गए हैं। इस खेल में भारत के मेडल टैली में अभय सिंह (पुरुष सिंगल्स) और अनाहत सिंह (महिला सिंगल्स) के सिल्वर मेडल शामिल हैं, जबकि जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने मिलकर मिक्स्ड डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

दोनों टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही भारत ने आइची-नागोया में स्क्वैश इवेंट में अपनी मजबूत स्थिति बना ली है। पुरुष टीम, जो पिछली बार की चैंपियन है, एक और फाइनल में पहुंचने की राह पर है, जबकि महिला टीम भी अब अपनी पक्की पोडियम फिनिश को गोल्ड-मेडल मैच में बदलने की कोशिश करेगी।

सुनील कुमार ने ग्रीको-रोमन रेसलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा

नागोया,एजेसीं। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को सुनील कुमार ने पुरुषों के 87 किलोग्राम ग्रीको-रोमन रेसलिंग इवेंट में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 9-0 से जीत हासिल की। इसी के साथ सुनील ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया। सुनील ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करते हुए रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज करवा लिया है। 27 वर्षीय सुनील एशियन गेम्स में दो ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल जीतने वाले पहले भारतीय रेसलर बन गए हैं। हांगझोऊ 2022 में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद पोडियम पर वापसी करते हुए, सुनील को नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर पकड़ बना ली और शुरुआती दांव-पेच में रॉबर्ट्स को दो बार पटखनी देकर चार प्वाइंट्स हासिल किए। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी की निष्क्रियता (पैसिविटी) के कारण उन्हें एक और प्वाइंट्स मिला, जिससे मुकाबले के शुरू होने के 90 सेकंड के भीतर ही भारतीय खिलाड़ी को 5-0 की बढ़त मिल गई।

जॉन कैंपबेल ने रचा इतिहास, वेस्टइंडीज की तरफ से भारत के खिलाफ लगाया सबसे तेज वनडे शतक

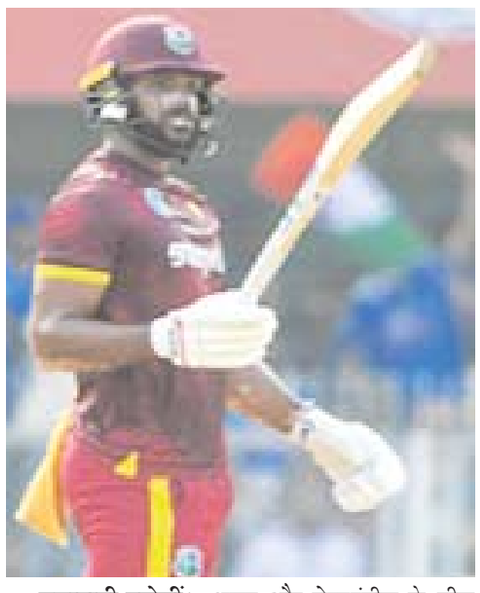

गुवाहाटी,एजेसीं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा वनडे मुकाबला गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। कैरेबियाई टीम के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल ने तूफानी शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। जॉन कैंपबेल वनडे क्रिकेट में भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कैंपबेल ने दूसरे वनडे में सिर्फ 65 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। कैंपबेल ने 27 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। यह रिकॉर्ड उनसे पहले रिकार्डो पॉवेल के नाम था, जिन्होंने साल 1999 में भारत के खिलाफ खेलते हुए 72 गेंदों में शतक लगाया था। कैंपबेल ने वेस्टइंडीज की तरफ से वनडे फॉर्मेट में पांचवां सबसे तेज शतक लगाया। 50 ओवर के फॉर्मेट में वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है, जिन्होंने 1999 में बांग्लादेश के खिलाफ 45 गेंदों में शतक लगाया था। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कीसी कार्टी 10 गेंदों में 9 रन बनाने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद कप्तान शाई होप और जॉन कैंपबेल ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 79 गेंदों में 110 रनों की शानदार साझेदारी निभाई। कैंपबेल 68 गेंदों में 101 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 148 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 9 चौके और 5 छक्के लगाए। कैंपबेल को गुरनूर बरार ने पवेलियन भेजा।

वेस्टइंडीज की टीम ने पहले वनडे में मिली हार के बाद अपनी प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव किए हैं। वहीं, भारतीय टीम भी एक बदलाव के साथ मैदान पर उतरी है। नीतीश कुमार रेड्डी की जगह पर तेज गेंदबाज आकिब नबी अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे हैं। पहले वनडे में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था और गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी।

भारत की प्लेइंग इलेवन: रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, रवींद्र जडेजा, आकिब नबी, गुरनूर बरार, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा।

वेस्टइंडीज की प्लेइंग इलेवन: जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, शाई होप (विकेटकीपर/कप्तान), अमीर जांगू, शेरफेन रदरफोर्ड, रोस्टन चेज, कीमो पॉल, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, जेडेन सील्स और विटेल लॉज।

ICC वनडे रैंकिंग: धमाकेदार प्रदर्शन का कोहली को मिला इनाम, कुलदीप ने लगाई चार पायदान की छलांग

नई दिल्ली,एजेसीं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में शतकीय पारी खेलने का इनाम विराट कोहली को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोहली ने एक पायदान की छलांग लगाई है और वह अब दूसरे नंबर पर आ गए हैं। कोहली से आगे वनडे रैंकिंग में अब सिर्फ शुभमन गिल हैं, जो पहले एकदिवसीय मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी बादशाहत को बरकरार रखने में सफल रहे हैं। विराट के एक पायदान ऊपर चढ़ने से न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल को नुकसान पहुंचा है। वह बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में अब तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। हालांकि, रोहित शर्मा की पोजीशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह चौथे नंबर पर बने हुए हैं। श्रीलंका के बल्लेबाज कुशल मेंडिस वनडे क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे हैं। उन्होंने तीन पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। मेंडिस को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 121 रनों की शानदार पारी का इनाम मिला है। हैरी ब्रूक टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल होने से महज एक पायदान दूर हैं। वह ताजा रैंकिंग में 11वें नंबर पर आ गए हैं। आयरलैंड के बल्लेबाज हैरी टेक्टर 10वें नंबर पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में शतकीय पारी खेलने वाले टेंबा बावुमा ने 10 पायदान ऊपर की छलांग लगाई हैं और वह अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें नंबर पर आ गए हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 19 पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। डेविड मिलर 142 रनों की शानदार पारी खेलने के साथ ही 41वें नंबर पर आ गए हैं।

कपिल पोखरिया को करना पड़ा ब्रॉन्ज मेडल से संतोष, सेमीफाइनल में मिली हार

निशियो ,एजेसीं। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष मुक्केबाज कपिल पोखरिया को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा है। कपिल को 90 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान के तुरबेक खबीबुल्लाव के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मुकाबले में कपिल तुरबेक के सामने संघर्ष करते नजर आए और फाइनल में जगह बनाने का उनका सपना साकार नहीं हो सका।

हालांकि, वह अपने एशियन गेम्स डेब्यू में ही ब्रॉन्ज मेडल जीतने में जरूर सफल रहे। तुरबेक ने शुरुआत से ही मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और पहले राउंड को 5-0 से जीता। इसके बाद दूसरे राउंड में भी उज्बेकिस्तान के मुक्केबाज का दबदबा देखने को मिला और वह राउंड को 4-1 से अपने नाम करने में सफल रहे। कपिल ने वापसी करने का प्रयास किया, लेकिन तुरबेक ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए और मुकाबले को आसानी से अपने नाम करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। इससे पहले, भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलोग्राम वर्ग में कजाकिस्तान की मुक्केबाज नताल्या बोगदानोवो को 3-2 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई।

इस जीत के साथ ही लवलीना ने एशियन गेम्स 2026 में कम से कम अपना सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। लवलीना लगातार दो एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं। सेमीफाइनल में शुरुआती राउंड में लवलीना अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से दूर नजर आईं और उन्हें 2-3 के अंतर से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने अपनी रणनीति बदली और मुकाबले पर पकड़ बनानी शुरू की। भारतीय स्टार मुक्केबाज ने दूसरा और तीसरा दोनों राउंड अपने नाम करते हुए मैच का रुख पलट दिया। उनके सटीक और आक्रामक पंचों ने कजाकिस्तान की प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा।

दूसरे राउंड में सभी पांच जजों ने लवलीना को 10-10 अंक दिए। वहीं, तीसरे राउंड में दो जजों ने उन्हें 10 अंक और तीन जजों ने 9 अंक दिए, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हो गई।हालांकि, भारतीय मुक्केबाज प्रिया घंघस को सेमीफाइनल में हार के बाद ब्रॉन्ज मेडल के साथ भारत लौटना होगा। उन्हें चीन की यांग चेंग्यू के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले के दौरान प्रिया अपनी लय हासिल नहीं कर सकीं और चीनी खिलाड़ी के सटीक हमलों का प्रभावी जवाब देने में नाकाम रहीं।

दूसरे वनडे में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी, आकिब नबी का डेब्यू

गुवाहाटी ,एजेसीं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज का दूसरा वनडे मुकाबला गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारत की तरफ से इस मुकाबले में आकिब नबी अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे हैं। टॉस जीतने के बाद कप्तान गिल ने कहा, 'हम पहले गेंदबाजी करेंगे। पिच पर थोड़ी ज्यादा घास है और यह थोड़ी पैची (कहीं-कहीं घास वाली) लग रही है। पिछले मैच में हमने जिस तरह से वापसी की, वह बहुत अच्छा था। यहां उमस अधिक है, इसलिए हमारे गेंदबाजों के लिए चुनौती भी ज्यादा होगी। सभी अच्छी फॉर्म में दिख रहे हैं। हमारी टीम में एक बदलाव है। नीतीश की जगह आकिब नबी डेब्यू कर रहे हैं।' पहले वनडे में मिली हार के बाद वेस्टइंडीज ने अपनी प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव किए हैं। टॉस गंवाने के बाद वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने कहा, 'हम भी टॉस जीतने पर फील्डिंग ही चुनते। टॉस 50-50 है, लेकिन हमारे पास अच्छा करने का एक और मौका है। कुछ ऐसी चीजें हैं जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। पिच काफी अच्छी लग रही है। हमारी टीम में चार बदलाव हैं। 'पहले वनडे में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था। बल्लेबाजी में विराट कोहली बेहतरीन लय में दिखाई दिए थे और उन्होंने 88 गेंदों में 139 रनों की लाजवाब पारी खेली थी। अपनी इस पारी में कोहली ने 10 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के लगाए थे। वहीं, कप्तान शुभमन गिल ने भी शतकीय पारी खेली थी। रोहित शर्मा बड़ी पारी खेलने से चूक गए थे, लेकिन वह अच्छी लय में दिखाई दिए थे। वहीं, गेंदबाजी में कुलदीप यादव की घूमती गेंदों का जादू खूब चला था। कुलदीप ने 40 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट अपने नाम किए थे।

दूसरी ओर, वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों का प्रदर्शन पहले वनडे में अच्छा रहा था। जस्टिन ग्रीव्स ने शतकीय पारी खेली थी। हालांकि, इंजरी के चलते वह इस मुकाबले में टीम का हिस्सा नहीं हैं।

भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने जीता गोल्ड, फाइनल में चीनी तीरंदाजों को हराया

ओकाजाकी ,एजेसीं। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारतीय दल का आर्चरी में स्वर्णिम सफर जारी है। भारतीय आर्चरी टीम ने तीसरा गोल्ड जीत लिया है। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम थिरुमुरु वाली भारतीय पुरुषों की कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में चीन को हराकर गोल्ड मेडल जीता। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम थिरुमुरु की तिकड़ी ने एक रोमांचक फाइनल में चीन के जियाओ लियाओ, जिनयी लियू और जिंग्यू शी को 238-237 से हराकर भारत के कंपाउंड तीरंदाजों के लिए गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की। यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत फाइनल में दो पॉइंट से पीछे था और चीन की बढ़त को खत्म करने के लिए उसे एक मजबूत फिनिश की जरूरत थी। तीसरे और पांचवें शॉट में दो 9 के बाद शुरुआती एंड के बाद भारत 58-60 से पीछे हो गया। भारतीय तीरंदाजों ने अगले एंड में छह परफेक्ट 10 के साथ जवाब दिया, लेकिन फिर भी 118-120 से पीछे थे। तीसरे एंड के बाद अंतर एक पॉइंट घटकर 178-179 रह गया, जिससे एक तनावपूर्ण फिनिश की स्थिति बन गई। इसके बाद चीन के जियाओ लियाओ ने 8 का शॉट मारा, जिससे भारत के लिए दरवाजा खुल गया।

'यह मेरे पिता का सपना था', गोल्ड मेडल जीतने के बाद बोलीं आर्चर चिकिथा तनिपार्थी

ओकाजाकी ,एजेसीं। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मिक्स्ड कंपाउंड आर्चरी टीम ने गोल्ड जीता है। राजेश जाधव और चिकिथा तनिपार्थी की जोड़ी ने मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया को एक रोमांचक शूट-ऑफ में हराया। जीत के बाद चिकिथा तनिपार्थी ने कहा कि यह उनके पिता का सपना था। चिकिथा ने देशवासियों से एशियन गेम्स के दौरान एथलीटों को देखने और उनका सहयोग करने की अपील की। जीत के बाद बात करते हुए चिकिथा तनिपार्थी ने कहा, 'मैं पदक तालिका बराबर देख रही हूं। मैं सोच रही थी कि हमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। आखिरकार हमें सोना मिल गया। ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाली हम पहली भारतीय टीम हैं। मैं शांत रहने और आत्मविश्वास बनाए रखने की कोशिश कर रही हूं।'

नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने मिक्स्ड ट्रैप शूटिंग इवेंट में भारत को दिलाया गोल्ड मेडल

ओकाजाकी ,एजेसीं। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की झोली में एक और गोल्ड मेडल आया है। शूटिंग के मिक्स्ड ट्रैप इवेंट में नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को इस टूर्नामेंट का 9वां गोल्ड मेडल दिलाया। नीरू और किनान की जोड़ी ने 34 प्वाइंट्स अर्जित करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं, कतर ने 32 प्वाइंट्स हासिल करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि चीन 23 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहा। ईरान फाइनल में 12 प्वाइंट्स के साथ चौथे स्थान पर रहा। नीरू का यह एशियन गेम्स 2026 में तीसरा मेडल है। इससे पहले, नीरू ने महिलाओं के ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। इसके साथ ही उन्होंने व्यक्तिगत ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

वह ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनीं। मिक्स्ड ट्रैप इवेंट के फाइनल में नीरू और किनान ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली सीरीज में 6 प्वाइंट हासिल किए, जबकि दूसरी सीरीज में यह भारतीय जोड़ी 16 प्वाइंट अर्जित करने में कामयाब रही। तीसरी सीरीज के अंत तक भारत ने 26 प्वाइंट हासिल किए और चौथी और आखिरी सीरीज में स्कोर को 34 पर पहुंचाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

बुधवार को यह भारत ने तीसरा गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले, आर्चरी के मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट में राजेश जाधव और चिकिता तनिपार्थी की जोड़ी ने देश को गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने रोमांच से भरपूर फाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया को शूट-ऑफ में हराया। भारत और साउथ कोरिया का स्कोर 157-157 रहा, जिसके बाद विजेता का फैसला शूट-ऑफ से किया गया, जहां भारतीय जोड़ी बाजी मारने में सफल रही।

वहीं, भारतीय महिला कंपाउंड आर्चरी टीम ने देश को दिन का पहला गोल्ड मेडल दिलाया। चिकिता तनिपार्थी, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा की तिकड़ी ने फाइनल में चीन को 238-234 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। भारत एशियन गेम्स 2026 में अब तक कुल 9 गोल्ड मेडल जीत चुका है।

संक्षिप्त समाचार

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने सरगुजा संभाग के 25 प्रकरणों की सुनवाई की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में मंगलवार को अंबिकापुर में सरगुजा संभाग स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। संभाग स्तर पर यह पहली और प्रदेश स्तर पर आयोग की नौवीं जनसुनवाई थी। इसमें सरगुजा, सूरजपुर, जशपुर, कोरिया, बलरामपुर और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों से संबंधित 25 प्रकरणों पर सुनवाई हुई। इनमें से छह प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए। जनसुनवाई में संभाग प्रभारी मती लक्ष्मी शुक्ला भी उपस्थित रहीं। आयोग ने पक्षकारों को सुनने के बाद मानसिक प्रताड़ना से संबंधित एक प्रकरण में कलेक्टर को जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कार्यस्थल पर प्रताड़ना से जुड़े एक अन्य प्रकरण में सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग को जांच के निर्देश दिए गए। घरेलू हिंसा और मानसिक प्रताड़ना से संबंधित अन्य प्रकरणों में संबंधित संरक्षण अधिकारियों को जांच कर आयोग के समक्ष प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा गया। अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सौंपे गए प्रकरणों की जांच कर तथ्यात्मक प्रतिवेदन आयोग को उपलब्ध कराएं, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। जनसुनवाई के माध्यम से महिलाओं की शिकायतों पर सुनवाई और संबंधित विभागों से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.आर. प्रधान, नोडल अधिकारी एवं उप निरीक्षक विजय गुप्ता, विधिक सहायता टीम, संरक्षण अधिकारी मती सुलेखा कश्यप, मती शिखा वर्मा, मती वित्तबाला सिन्हा, मती इन्द्रकुवारी तिवारी और मती सुमित्रा सिंह सहित संबंधित जिलों के सखी वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासिकाएं उपस्थित रहीं।

अब घर बैठे 1-क्लिक में कराएं जमीन का सीमांकन, तहसील दफ्तरों के चक्करों से मिली आजादी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य में नागरिक सुविधाओं को सुगम, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। प्रदेश के राजस्व एवं भू-अभिलेख विभाग ने जमीन के सीमांकन संबंधी प्रकरणों के त्वरित और सहज निपटारे के लिए एक नया ऑनलाइन पोर्टल विकसित कर लागू कर दिया है। इस आधुनिक व्यवस्था के शुरू होने से अब आम नागरिकों को अपनी ही जमीन की नाप-जोख या सीमांकन कराने के लिए तहसील कार्यालयों के बार-बार चक्कर काटने की मजबूरी से पूरी तरह मुक्ति मिल जाएगी। राज्य का कोई भी नागरिक अब अपने घर अथवा नजदीकी केंद्र से ही सीमांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेगा। पुरानी व्यवस्था के तहत जमीन का सीमांकन कराने के लिए आवेदकों को खुद तहसील दफ्तर जाकर आवेदन जमा करना पड़ता था। इतना ही नहीं, आवेदन के बाद फाइल किस स्तर पर अटकी है, कार्रवाई पूरी होने में देरी क्यों हो रही है या किन कारणों से मामला लंबित है-इसकी सही जानकारी समय पर न मिल पाने के कारण लोगों को हफ्तों और महीनों तक दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। नवीन व्यवस्था ने इस पूरी जटिल प्रक्रिया को बेहद सुलभ बना दिया है। अब नागरिक अपनी सुविधा अनुसार लोक सेवा केंद्र , सेवा सेतु या फिर राजस्व विभाग के सिटीजन पोर्टल के माध्यम से सीधे ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। जैसे ही कोई आवेदक ऑनलाइन फॉर्म जमा करेगा, वह सीधे संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार की लॉगिन आईडी में प्राप्त हो जाएगा और निर्धारित प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। इसके साथ ही सीमांकन की पूरी जांच और मौका मुआयना करने के बाद राजस्व निरीक्षक (त्) भी अपनी जांच रिपोर्ट ऑनलाइन ही प्रस्तुत करेंगे।

सेवा की कहानी: गांव तक पहुंची बस तो रोजगार और पढ़ाई की राह हुई आसान, सिधमा के ग्रामीणों को मिली आवागमन की सहूलियत

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से कामकाजी लोगों और विद्यार्थियों को सुविधा, सुबह-शाम आसान हुआ सफर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। गांव से काम पर जाना हो, बच्चों को स्कूल-कॉलेज पहुंचना हो या किसी जरूरी काम से बाहर निकलना हो, नियमित परिवहन सुविधा ग्रामीण जीवन की महत्वपूर्ण जरूरत है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ने राजपुर तहसील के ग्राम सिधमा के ग्रामीणों की इसी जरूरत को पूरा किया है। गांव तक बस पहुंचने से अब रोजगार के लिए रोजाना आने-जाने वाले लोगों के साथ विद्यार्थियों का सफर भी आसान हुआ है। पहले बस पकड़ने के लिए दूसरे गांव काकना तक जाना पड़ता था, लेकिन अब सुबह और शाम गांव से ही बस की सुविधा मिल रही है। ग्राम सिधमा निवासी ज्ञानेश्वर बर्तनों में पॉलिश करने का काम करते हैं। रोजगार के सिलसिले में उन्हें लगभग रोज ही आना-जाना पड़ता है। गांव में बस सुविधा नहीं होने के कारण पहले उन्हें बस पकड़ने के लिए काकना जाना पड़ता था। वहां तक पहुंचने के लिए बाइक या अन्य साधन की व्यवस्था करनी होती थी। इससे अतिरिक्त समय लगता था और रोजमर्रा के सफर में परेशानी भी होती थी।

अब गांव से ही मिल रही बस, काकना जाने की परेशानी हुई कम: मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना शुरू होने के बाद ज्ञानेश्वर की रोजमर्रा की आवाजाही आसान हुई है। वे बताते हैं कि अब गांव से ही सुबह और शाम बस मिल रही है। इससे काम के लिए नियमित आने-जाने में सहूलियत हुई है और बस पकड़ने के लिए पहले दूसरे गांव तक जाने की जरूरत कम हुई है। बस सेवा का लाभ केवल कामकाजी ग्रामीणों तक सीमित नहीं है। स्कूल और कॉलेज जाने वाले विद्यार्थी भी इस सुविधा का उपयोग कर रहे हैं। गांव तक नियमित परिवहन साधन पहुंचने से शिक्षा, रोजगार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए आवागमन अधिक सुविधाजनक हुआ है। रोजगार के लिए रोजाना सफर करने वाले ज्ञानेश्वर को मिली राहत ज्ञानेश्वर जैसे ग्रामीणों के लिए यह बस सेवा विशेष रूप से उपयोगी है, जिनका रोजगार नियमित आवाजाही पर निर्भर है। पहले काम पर निकलने से पहले काकना तक पहुंचने के लिए अलग साधन की व्यवस्था करनी पड़ती थी। अब गांव से ही बस मिलने से उनके सफर की एक बड़ी परेशानी कम हुई है। सुबह और शाम बस की उपलब्धता से ग्रामीण अपनी दिनचर्या के अनुसार आवागमन कर पा रहे हैं। विद्यार्थियों को भी स्कूल-कॉलेज आने-जाने के लिए परिवहन का साधन मिला है।

गांव तक बस पहुंचने से शिक्षा और रोजगार की राह हुई आसान

ज्ञानेश्वर ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि गांव तक बस पहुंचने से लोगों के लिए काम, शिक्षा और जरूरी कार्यों से आने-जाने की राह आसान हुई है। सेवा संकल्प अभियान के तहत सिधमा की यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि गांव तक सार्वजनिक परिवहन की पहुंच ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी में कितनी उपयोगी हो सकती है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से सिधमा के लोगों को आवागमन की सुविधा मिलने के साथ रोजगार और पढ़ाई के लिए नियमित सफर भी आसान हुआ है।

रंगोली में सजे राष्ट्रप्रेम के रंग, विद्यार्थियों ने दिया सेवा और एकता का संदेश

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय डोंगरिया, लाटा और नेवसा में 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' थीम पर आकर्षक रंगोली का प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा और राष्ट्रप्रेम की भावना को अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' थीम पर विशेष रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के सहयोग से गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले के तीनों एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों, डोंगरिया, लाटा और नेवसा में विद्यार्थियों ने 'रंगोली राष्ट्र भारत मंडल' का आकर्षक प्रदर्शन किया। रंगों के माध्यम से विद्यार्थियों ने उकेरी राष्ट्रभावना कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, कला-कौशल और रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए विभिन्न रंगों से मनमोहक रंगोलियां सजाईं। रंगोलियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, सेवा भावना, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा विकसित भारत की संकल्पना को कलात्मक

रूप से प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार रंगोली में भारत की विविधता और एकता का सुंदर समन्वय देखने को मिला। रंग-बिरंगे रंगों से सजे भारत मंडल ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को रचनात्मक अभिव्यक्ति दी। विद्यार्थियों ने अपनी कला के माध्यम से यह संदेश दिया कि राष्ट्र निर्माण केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से संभव होता है। रचनात्मक गतिविधि से विद्यार्थियों में बढ़ी सेवा भावना सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों को सेवा, अनुशासन, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता जैसे मूल्यों से जोड़ना रहा। रंगोली निर्माण के दौरान विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से कार्य करते हुए सहयोग, समन्वय और सहभागिता की भावना का भी परिचय दिया। विद्यालयों में आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को अपनी कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों को समझने का अवसर प्रदान किया। रंगों और आकृतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपने मन में बसे राष्ट्रप्रेम और समाज के प्रति सेवा भावना को अभिव्यक्त किया। शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, संवेदनशील और समाज के प्रति जागरूक नागरिक बनना भी है। विद्यार्थियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन और सामाजिक सहभागिता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

बदलते बस्तर की कहानी: दिल्ली के 43 इंफ्लुएंसर्स ने नेतानार में देखी शांति, आत्मनिर्भरता और विकास की तस्वीर

नक्सलवाद के प्रभाव से बाहर निकलकर नई राह पर बढ़ रहा बस्तर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी नक्सल हिंसा और भय की खबरों के कारण देश के सामने एक अलग पहचान रखने वाला बस्तर अब बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। इस बदलाव को करीब से देखने और समझने के लिए दिल्ली से आए 43 इंफ्लुएंसर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने बस्तर का भ्रमण किया। उनके कैमरों ने इस बार बस्तर के जंगलों और प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ उस सामाजिक बदलाव को भी दर्ज किया, जहां शांति के साथ विकास और आत्मनिर्भरता की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। बस्तर भ्रमण के दौरान दिल्ली से आए इंफ्लुएंसर्स नेतानार स्थित शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय स्तर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित सिलाई-कढ़ाई एवं अन्य स्वरोजगार गतिविधियों को करीब से देखा। प्रशिक्षण केंद्र में चलती सिलाई मशीनों की आवाज उनके लिए बदलते बस्तर की एक ऐसी तस्वीर थी, जिसमें संघर्ष की जगह हुनर, भय की जगह भरोसा

और निर्भरता की जगह आत्मनिर्भरता दिखाई दे रही थी। 'महिलाओं के हाथों में हुनर, परिवार की अर्थव्यवस्था मजबूत करने की पहल' नेतानार में महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई सहित विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उद्देश्य है कि स्थानीय महिलाएं अपने हुनर को रोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनें और परिवार की आय में योगदान दे सकें। इंफ्लुएंसर्स ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं से सीधे संवाद किया।

महिला सशक्तिकरण और कुपोषण मुक्ति के लिए मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में अभिनव पहल

पोषण पहल सखी' के लिए जिला प्रशासन और आईआईटी भिलाई के बीच एमओयू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण आजीविका और बाल पोषण को एक साथ जोड़ते हुए अभिनव पहल की गई है। ग्राम भर्रीटोला में 'पोषण पहल सखी' परियोजना के क्रियान्वयन के लिए मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के जिला प्रशासन और आईआईटी भिलाई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कलेक्टर मती तनुजा सलाम ने एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि 'पोषण पहल सखी' का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के लिए स्थायी एवं सम्मानजनक आजीविका के अवसर तैयार करने के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर बनाना है। परियोजना के तहत ग्राम भर्रीटोला के गौठान में महिलाओं द्वारा संचालित लेयर पोल्ट्री उद्यम स्थापित किया जाएगा। इसका संचालन तिरंगा संकुल स्तरीय संगठन के सहयोग से किया जाएगा परियोजना के माध्यम से तीन महिलाओं को स्थायी आजीविका से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही ग्राम के 50 आंगनबाड़ी बच्चों को सप्ताह में दो बार निःशुल्क अंडे उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे बच्चों के नियमित आहार में प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ की उपलब्धता बढ़ेगी। इस तरह यह पहल महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और बच्चों के बेहतर पोषण, दोनों उद्देश्यों को एक साथ पूरा करने की दिशा में कार्य करेगी। 'पोषण पहल सखी' त्रिपय साझेदारी पर आधारित परियोजना है। जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध कराई जाएगी। आईआईटी भिलाई क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में वैज्ञानिक एवं तकनीकी मार्गदर्शन देगा, जबकि एबीस फूड्स एंड प्रोटीन्स प्राइवेट लिमिटेड (आईबी ग्रुप) द्वारा सीएसआर के तहत वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाएगा। आईआईटी भिलाई द्वारा महिला स्व-सहायता समूहों को वैज्ञानिक मुर्गीपालन, जैव-सुरक्षा, वित्तीय प्रबंधन, उद्यम संचालन और विपणन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसका उद्देश्य महिलाओं को केवल मुर्गीपालन गतिविधि से जोड़ना नहीं, बल्कि उन्हें उद्यम के संचालन और प्रबंधन में दक्ष बनाना है।

श्रमिक परिवार के रतिराम की पढ़ाई को मिला आर्थिक सहयोग, नौनिहाल छात्रवृत्ति बनी सहारा

सेवा संकल्प अभियान के तहत मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना से शिक्षा के सपनों को मिल रही नई उड़ान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने और जरूरतमंद परिवारों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। योजनाओं से मिलने वाली सहायता जहां परिवारों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में सहायक बन रही है, वहीं बच्चों की शिक्षा और बेहतर भविष्य की नींव को भी मजबूत कर रही है। श्रम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना श्रमिक परिवारों के बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है। दंतेवाड़ा जिले के विकासखंड गीदम के ग्राम बिन्जाम निवासी रतिराम नेताम पिता कोपाराम नेताम को इस योजना का लाभ प्राप्त हुआ है। छात्रवृत्ति मिलने से उनकी शिक्षा से जुड़े खर्चों में आर्थिक सहायता मिली है और आगे की पढ़ाई जारी रखने में आवश्यक सहयोग मिला है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना तथा श्रमिक परिवारों को सशक्त बनाना है। योजना के तहत मंडल में पंजीकृत श्रमिक के प्रथम दो बच्चों को नियमानुसार छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। कक्षा पहली से लेकर स्नातकोत्तर स्तर की व्यावसायिक परीक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों तथा पीएचडी एवं शोध कार्य करने वाले छात्र-छात्राओं को निर्धारित मापदंडों के अनुसार 1,000 रुपये से 10,000 रुपये तक छात्रवृत्ति इसके तहत प्रदान करने का प्रावधान है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अंकों की बाध्यता नहीं रखी गई है। साथ ही आवेदन की तिथि से पूर्व एक वर्ष की अवधि में हितग्राही का कम से कम 90 दिन निर्माण श्रमिक के रूप में कार्यरत होना निर्धारित है।

बाढ़ प्रभावितों की राहत और पुनर्वास के लिए प्रशासन के साथ समाज और स्कूली बच्चे भी आए आगे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर संभाग में हाल ही में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता और उनके पुनर्वास के लिए जिला प्रशासन बस्तर द्वारा राहत एवं बचाव कार्यों को लगातार प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। संकट की इस घड़ी में समाज के विभिन्न वर्ग भी सहयोग के लिए आगे आ रहे हैं। इसी क्रम में बस्तर जिले के दरभा विकासखंड के ग्राम छिंदबहार स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों तथा उत्कल समाज बस्तर संभाग ने बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान कर मानवीय संवेदना और सामाजिक एकजुटता की मिसाल पेश की है। कलेक्ट्रेट के प्रेरणा कक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान छिंदबहार स्कूल के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर आकाश छिकारा से मुलाकात कर बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए 5,001 रुपए की सहयोग राशि सौंपी। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों और शिक्षकों की इस पहल की कलेक्टर ने सराहना करते हुए इसे संकट के समय सामूहिक संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरक उदाहरण बताया। इसी तरह उत्कल समाज बस्तर संभाग ने भी मुख्यमंत्री बाढ़ आपदा राहत कोष में 21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर

आकाश छिकारा को 21 हजार रुपए का चेक सौंपा। समाज ने राहत शिविरों के संचालन सहित अन्य आवश्यक राहत कार्यों में प्रशासन का सहयोग करने के उद्देश्य से यह राशि प्रदान की है। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना, अपर कलेक्टर सीपी बघेल एवं नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने उत्कल समाज की इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया। राहत के बाद अब पुनर्वास पर विशेष जोर कलेक्ट्रेट के प्रेरणा कक्ष में मंगलवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर आकाश छिकारा ने जिले में आई भीषण बाढ़ के बाद राहत एवं पुनर्वास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में राहत शिविरों की व्यवस्थाओं, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था के साथ विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों और आगामी शासकीय आयोजनों की भी समीक्षा की गई।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से मल्हनिया जलाशय में बदली मछुआरों की जिंदगी

54 केज में आधुनिक मछली पालन से बढ़ी आय, 44 मछुआरा परिवारों को मिला रोजगार का स्थायी आधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा मत्स्य क्षेत्र को आधुनिक तकनीक, अधोसंरचना और बेहतर आजीविका के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का प्रभाव अब गांवों तक दिखाई दे रहा है। योजना के अंतर्गत अंतर्देशीय मत्स्यपालन, केज कल्चर और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि मछुआरों और मछली किसानों की आय तथा रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गौरेला विकासखंड स्थित ग्राम देवरगांव का मल्हनिया जलाशय इसका एक उदाहरण बनकर सामने आया है। यहां प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफटी) के सहयोग से जय बूढ़ा देव मल्हनिया आदिवासी मछुआ सहकारी समिति मर्यादित के सदस्यों ने पारंपरिक मत्स्याखेट के साथ आधुनिक पिंजरा मछली पालन यानी केज कल्चर को अपनाया है। इससे समिति के सदस्यों के लिए मछली उत्पादन, आय और रोजगार का नया आधार तैयार हुआ है। 54 केज ने बदली आजीविका की तस्वीर वर्ष 2002 से संचालित जय बूढ़ा देव मल्हनिया आदिवासी मछुआ सहकारी समिति में वर्तमान में 44 मछुआ आदिवासी सदस्य जुड़े हुए हैं। इनमें 26 सदस्य विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) बैगा समुदाय से हैं। पहले समिति के सदस्य मुख्य रूप

से जलाशय में पारंपरिक मत्स्याखेट कर मछली बेचकर अपनी आजीविका चलाते थे।

जलाशय की लीज सहित अन्य खर्चों के बाद समिति की वार्षिक आय लगभग ढाई से तीन लाख रुपये तक सीमित थी। मछुआरों की आजीविका को अधिक स्थायी और आय को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मत्स्य पालन विभाग एवं जिला प्रशासन ने आधुनिक पिंजरा मछली पालन को बढ़ावा दिया। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और डीएमएफटी के संयुक्त सहयोग से मल्हनिया जलाशय में कुल 54 केज स्थापित किए गए हैं केन्द्र की योजना, स्थानीय मेहनत और तकनीक का संगम प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का एक प्रमुख उद्देश्य मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के साथ मछुआरों एवं मछली किसानों की आय में वृद्धि और रोजगार के अवसर पैदा करना है। योजना में जलाशयों में केज कल्चर सहित अंतर्देशीय मत्स्यपालन को आधुनिक तकनीक से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। मल्हनिया जलाशय में योजना का यही उद्देश्य स्थानीय स्तर पर साकार होता दिखाई दे रहा है। केज में उन्नत प्रजातियों की मछलियों का पालन किया जा रहा है। पारंपरिक मत्स्याखेट के अनुभव के साथ आधुनिक तकनीक जुड़ने से समिति के सदस्यों को अधिक उत्पादन और बेहतर बाजार अवसर प्राप्त हो रहे हैं। एक साल में 10 से 15 लाख रुपये की मछली बिक्री केज कल्चर शुरू होने के बाद समिति की आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। समिति द्वारा एक वर्ष में लगभग 10 से 15 लाख रुपये की मछली का विक्रय किया गया है। वर्तमान में केजों में लगभग 10 से 15 टन मछली उपलब्ध है। इस गतिविधि से समिति की आय के साथ-साथ सदस्यों को नियमित रोजगार का अवसर मिल रहा है। समिति के सदस्यों के अनुसार, केज कल्चर से उन्हें प्रतिमाह लगभग 6 से 7 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है। इससे परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है और आजीविका के लिए केवल पारंपरिक मत्स्याखेट पर निर्भरता कम हुई है। मछुआरों के हुनर को मिली आधुनिक तकनीक की ताकत मल्हनिया जलाशय की कहानी यह दिखाती है ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से गांवों तक पहुंची आधुनिक मत्स्य तकनीक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र में उत्पादन, उत्पादकता, तकनीक, मूल्य श्रृंखला और मछुआरों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को प्रमुखता दी है। योजना के आधिकारिक उद्देश्यों में मत्स्य क्षेत्र की क्षमता का सतत उपयोग, आधुनिक तकनीक का विस्तार, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, रोजगार सृजन तथा मछुआरों और मछली किसानों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा शामिल है। इसी व्यापक दृष्टिकोण का स्थानीय उदाहरण मल्हनिया जलाशय में दिखाई देता है, जहां सरकारी योजना के सहयोग से पारंपरिक मत्स्याखेट को आधुनिक केज कल्चर से जोड़ा गया है। इससे मछली उत्पादन के साथ ग्रामीण परिवारों के लिए आय के अतिरिक्त अवसर तैयार हुए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन

केन्द्र सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने में राज्य स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन और स्थानीय प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना को स्थानीय आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप आगे बढ़ाने के प्रयासों का यह उदाहरण सामने आया है। मल्हनिया जलाशय में 54 केज की स्थापना, मछुआरा सहकारी समिति की भागीदारी और डीएमएफटी के सहयोग का समन्वय यह दर्शाता है कि केन्द्र की योजना, राज्य स्तर का क्रियान्वयन, जिला प्रशासन का सहयोग और हितग्राहियों की मेहनत मिलकर आजीविका के नए अवसर तैयार कर सकते हैं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते मछुआरे ।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा